तापमान
अधिकतम 24.7 डिग्री
न्यूनतम 6.2 डिग्री

हरिभूमि
सोनीपत भूमि
रोहतक, सोमवार, 18 दिसंबर 2023

11 प्राणों की आहुति देने में गुरु तेग बहादुर का स्थान अद्वितीय

12 खाटू श्याम की शरण में आने से समाप्त हो जाते है दुख

खबर संक्षेप

शिविर में 400 की हड्डियों और बालों की मुफ्त जांच

सोनीपत। आज रोटरी क्लब ऑफ सोनीपत अरडेंट द्वारा मैक्स हाइट सोसाइटी कुंडली में मुफ्त स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें सोसाइटी में रह रहे करीब 400 लोगों की हड्डियों और बालों की मुफ्त जांच करके जरूरी परामर्श दिया। इस शिविर में डॉ. तुषार राय, क्लब प्रधान डॉ. निखिल चुग, डॉ. मंजीत कोर ने अपनी सेवाएं दी। क्लब के प्रधान डॉ. निखिल चुग, सचिव पुनीत जग्गा ने संयुक्त रूप से बताया कि क्लब समय-समय पर मुफ्त जांच शिविर लगा कर शहर के लोगों की हड्डियों की जांच करके लोगों को स्वस्थ रहने के बारे में बता रहा है।

दुकान का शटर तोड़कर 25 बैट्री चुरा ले गए

गन्नौर। खेड़ी रोड सिथत इलेक्ट्रॉनिक की दुकान का ताला तोड़ कर चोर बैट्री चोरी कर ले गए। चोरी की घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। खेड़ी रोड निवासी सोनू ने पुलिस को बताया कि वह 16 दिसम्बर की रात को अपनी दुकान का ताला लगा कर घर गया था। अगली सुबह उसके साथी ने फ़ोन कर बताया कि उसकी दुकान का शटर टूटा हुआ है। जब वह दुकान पर पहुँचा ओर चेक किया तो दुकान से 25 बैट्री गायब थी। वही चोरी की घटना दुकान में लगे सीसीटीवी केमरे में कैद हो गई। जिसमे 3-4 आदमी एक गाड़ी में सामान ले जाते हुए दिखाई दे रहे है।

खेत से खाद व ट्यूबवेल के तार चोरी

गन्नौर। खेड़ी गुज्जर गांव के खेतों से चोर हजारों रुपएं का रूरिया व डीएपी खाद व टयूबवैल की समर्सीबल की तार चोरी कर ले गए। चोरी की शिकायत किसान ने पुलिस को दी। पुलिस चोरी का मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस को दी शिकायत में खेड़ी गुज्जर गांव निवासी सोमपाल ने बताया कि उसने गांव के ही किसान से जमीन पट्टे पर ले रखी है। अपने गेंहू की फसल में खाद मारने के लिए टयूबवैल में उसने 10 कट्टे यूरिया व 3 डीएपी खाद के रखे थे। शिकायत में बताया कि 16 दिसंबर की सुबह खेत में गया तो कोठरे की दिवार तोड़कर चोर सभी खाद के कट्टे चोरी कर ले गए। इसके बाद चोरी की शिकायत पुलिस को दी।

दोस्त के साथ गया युवक संदिग्ध हालात में लापता

सोनीपत। सदर थाना क्षेत्र में दोस्त के साथ गया युवक संदिग्ध हालत में लापता हो गया। परिजनों ने मामले को लेकर पुलिस को शिकायत दी। बैंयापुर खुर्द निवासी सुरेश ने बताया कि उसका बेटा सन्नी गत 9 अगस्त को स्टार होटल राठधाना में मिला था। उसके बाद एक-दो बार बात हुई। उसके बाद वह मनीष के साथ चला गया। अपने स्तर पर उसकी तलाश की, लेकिन कोई सुराग हाथ नहीं लग पाया। जांच अधिकारी एचसी प्रदीप कुमार ने बताया कि युवक की तलाश के प्रयास किया जा रहा है।

साप्ताहिक अभियान में रोपे 24 पौधे

गोहाना। कल्याण संगठन ने अपने साप्ताहिक पौधारोपण अभियान में रविवार को 24 नए पौधे रोपे। यह संगठन हर रविवार को गोहाना शहर को ग्रीन सिटी बनाने के लिए सार्वजनिक स्थलों पर पौधारोपण करता है। गवर्नमेंट गर्ल्स कॉलेज के मोड़, जींद रोड और गोहाना सिटी थाना में पौधारोपण किया गया। नए पौधे अर्जुन, अमरूद, नीम और जामुन के लगाए। नए पौधों की समुचित सुरक्षा के लिए उनको ट्री गार्डों से अभिरक्षित किया गया। अध्यक्ष आनंद जांगड़ा ने कहा कि मौसम में ठंड बढ़नी शुरू हो गई है।

जिला परिषद को मिली है पांच करम से कम चौड़ी 91 सड़कों की सूची

किसी सड़क को 17 तो किसी को 15 साल से नसीब नहीं हुई विशेष मरम्मत

- सबसे ज्यादा 31 सड़कें हैं बरोदा विधानसभा की

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

सड़कें किसी भी क्षेत्र के लिये बहुत जरूरी होती हैं। अच्छी सड़कों से आवागमन सुगम होता है। वहीं खस्ताहाल सड़कों से हिंदी का सफर इंग्लिश के सफर में तब्दील हो जाता है। जिले में यूं तो कई हाइवे होकर गुजरते हैं, लेकिन ग्रामीण सड़कों की बात करें तो कई ऐसी सड़कें हैं, जिन्हें सालों से मरम्मत नसीब नहीं हुई। हाल ही में हरियाणा कृषि विपणन बोर्ड ने 5 करम तक की चौड़ाई वाली सड़कों को जिला परिषद के हवाले करने का काम शुरू किया है। जिसके तहत ऐसी 91 सड़कों की विस्तृत जानकारी लिस्ट के साथ जिला परिषद को सौंपी गई है। इस सूची से पता चलता है कि जिले की कई सड़कें ऐसी हैं, जिन्हें सालों पहले बना तो दिया गया, लेकिन आज तक मरम्मत नहीं की गई। वहीं कुछ सड़क ऐसी भी हैं, जिनकी मरम्मत को ही 10-15 साल बीत गए हैं। ऐसी सड़कों में सबसे बड़ी संख्या बरोदा हलके की हैं, जहां की तीन सड़कों की सालों से मरम्मत नहीं की गई है। वहीं राई, खरखौदा और गन्नौर विधानसभा क्षेत्र की ऐसी दो-दो सड़कें हैं, जोकि 10-15 सालों से मरम्मत का इंतजार कर रही हैं।

5 करम तक चौड़ी सड़कों की स्थिति

विधानसभा	कुल सड़कें	कुल किलोमीटर
बरोदा	31	108.39 किलोमीटर
राई	26	47.62 किलोमीटर
खरखौदा	17	38.98 किलोमीटर
गन्नौर	9	20.51 किलोमीटर
गोहाना	8	24.47 किलोमीटर
कुल	91	239.97 किलोमीटर

ये हैं जिले की सबसे पुरानी सड़कें

विधानसभा	सबसे पुरानी सड़कें (5 करम तक चौड़ाई वाली)
बरोदा	खानपुर खुर्द से गोहाना-जींद रोड तक जाने वाली 3.20 किलोमीटर लंबी सड़क वर्ष 1993 में बनी थी।
गन्नौर	पीरगढ़ी से बेगा होते हुए दतौली जाने वाली 2.10 किलोमीटर लंबी इस सड़क को 1995 में बनवाया गय।
गोहाना	इस विधानसभा की आठों सड़कें 2018 के बाद बनी है।
खरखौदा	6.60 किलोमीटर लंबी गोपालपुर से सोहटी और 0.59 किलोमीटर लंबी रिढाऊ से फरमाणा की सड़कें वर्ष 2002 में बनी थी।
राई	ताजपुर से मलिकपुर जाने वाली 1.40 किलोमीटर लंबी सड़क को वर्ष 1993 में बनाया गया था।

इन सड़कों की सालों से नहीं हुई मरम्मत

बरोदा विधानसभा
बरोदा हलके में मुदलाना से धुराना जोकि 3.02 किलोमीटर लंबी हैं ये वर्ष 2011 में बनी थी, जिसे आज तक विशेष मरम्मत नहीं मिली। इसी हलके में निजामपुर से नंदगढ़ तक 0.72 किलोमीटर लंबी सड़क को वर्ष 2013 के बाद विशेष मरम्मत नहीं मिली। यह सड़क 2003 में बनाई गई थी। विधानसभा क्षेत्र में मिर्जापुर खेड़ी से सांगी तक जाने वाली 4.14 किलोमीटर लंबी सड़क 2006 में बनी थी और आखिरी बार 2011 में विशेष मरम्मत हुई थी।

गन्नौर विधानसभा
सबसे पुरानी सड़कों में शामिल पीरगढ़ से वाया बेगा होकर दतौली जाने वाली सड़क को आखिरी बार 2008 में विशेष मरम्मत मिली थी। शाहरपुर तगा से सनपेड़ा (फिरनी वाला हिस्सा) जोकि 0.31 किलोमीटर लंबा है, इसे 2003 में बनवाया गया था। आखिरी बार यहां पर 2006 में विशेष मरम्मत हुई थी।

खरखौदा विधानसभा
छिनौली गांव से खेल स्टेडियम तक जाने वाले संपर्क मार्ग को 2012 में बनाया गया था। इसके बाद से इसे आज तक विशेष मरम्मत नहीं मिली है। राठधना से बहालगढ़ जाने वाली 3.12 किलोमीटर लंबी सड़क ऐसी है जोकि 2014 में विशेष मरम्मत हुई थी।

राई विधानसभा
किशोरा की फिरनी से किशोरा स्कूल तक जाने वाली 0.50 किलोमीटर लंबी सड़क को 2013 में बनाया गया था, जिसके बाद से इस सड़क को विशेष मरम्मत नहीं मिली। गांव औरंगाबाद में खेल स्टेडियम के संपर्क मार्ग को 2014 में बनाया गया था। इसके बाद से 0.12 किलोमीटर लंबे इस मार्ग पर कभी भी विशेष मरम्मत नहीं की गई है।

सेना की नई गाड़ी में मिला निजी कंपनी के ड्राइवर का शव

सोनीपत। शव को पोस्टमार्टम हाउस में लेकर जाते हुए स्वास्थ्य कर्मी व पुलिस।

- हृदय गति रुकने से मौत होने का बताया जा रहा कारण

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

बहालगढ़ थाना क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-44 पर सर्विस रोड पर खड़े सेना की नई गाड़ी मे संदिग्ध हालत में चालक का शव मिला। सड़क मार्ग से गुजर रहे सेना के जवान ने गाड़ी को देखकर जांच की। खिड़की खोलने पर परिचालक सीट पर चालक का शव मिला। मामले को लेकर पुलिस को अवगत करवाया। बहालगढ़ थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर नागरिक अस्पताल के शवगृह में रखवाया। परिजनों के आने के बाद आगामी कार्यवाही अमल में लाई जायेगी। पोस्टमार्टम में मौत के सही कारणों का पता लग पायेगा।

बहालगढ़ थाने में तैनात पुलस कर्मी राजू ने बताया कि उन्हें सूचना मिली कि जीटी रोड पर अर्धनारीश्वर मंदिर सर्विस रोड पर सेना की एक गाड़ी में मध्य प्रदेश के रहने वाले सोहन का शव मिलने की सूचना मिली। टीम ने मौके पर पहुंचकर गाड़ी की तलाश की। परिचालक सीट पर चालक का शव पड़ा हुआ मिला। जांच करने पर जानकारी मिली कि जबलपुर से 20 नई गाड़ियों को लेकर अलग-अलग ड्राइवर चले थे। सभी ड्राइवर एक निजी कंपनी के तहत काम करते है। वहीं कंपनी ने सोहन को भी बतौर ड्राइवर के रूप में सेना की नई गाड़ी को जबलपुर से पंजाब के उद्यमपुर में पहुंचाने का कार्य सौंपा था। वह बहालगढ़ के पास पहुंचा। उसका शव सर्विस रोड पर गाड़ी में मिला। एफएसएल की टीम ने मौके पर बुलाया। टीम ने नमूने एकत्रित करके शव को कब्जे में लेकर नागरिक अस्पताल के शवगृह में रखवाया। परिजनों को इस संबंध में सूचना दे दी है। उनके आने पर आगामी कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

अयोध्या से आए अक्षित और निमंत्रण पत्र को बांटने का काम 15 तक : डा. अनिल

हरिभूमि न्यूज ⏭ खरखौदा

रविवार को खरखौदा के छपड़ेश्वर मंदिर में बैठक का आयोजन किया गया । जिसमें जनवरी माह में अयोध्या में श्रीराम मंदिर के उद्घाटन अवसर पर स्थानीय स्तर पर किए जाने वाले कार्यक्रमों को लेकर विचार-विमर्श किया गया। मंडल पालक डा. अनिल दहिया ने कहा कि 22 जनवरी को अयोध्या में भगवान श्री राम मंदिर का उद्घाटन होगा। यह हम सभी के लिए बड़े सौभाग्य की बात है। ऐसे में अब एक जनवरी से 15 जनवरी तक मंडल के 48 गांवों में घर-घर जाकर अयोध्या से आए हुए अक्षित और निमंत्रण पत्र को बांटने का भी काम किया जाएगा। 22 जनवरी को मंडल के गांवों में जहां भी जितने मंदिर है हर मंदिर में भजन-कीर्तन राम कथा का आयोजन करवाना सुनिश्चित किया जाएगा। जिसके साथ ही शाम को पांच दिये भी घरों में जलाए जाएंगे। लेकिन इस दौरान किसी भी प्रकार की आतिशबाजी पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध रखने का भी निर्णय लिया गया है। इस अवसर पर पर डा. मोनू, सह संयोजक जयदीप, सह जिला कार्यवाह डा. सतीश कुमार, खंड कार्यवाह जय करण सैदपुर सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

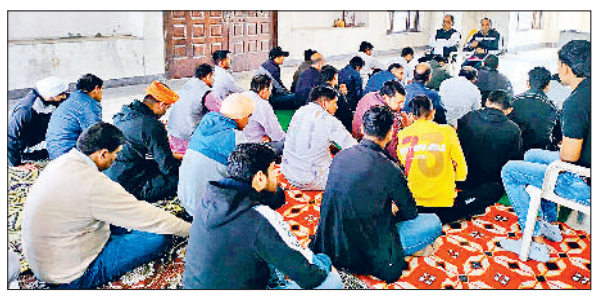

खरखौदा। बैठक को संबोधित करते मंडल पालक डॉ. अनिल व उपस्थितजन।

एचडीएफसी के एटीएम से नकदी चोरी का प्रयास

सोनीपत। ककरोई रोड स्थित एचडीएफसी बैंक के एटीएम को क्षतिग्रस्त कर नकदी चोरी की कोशिश की गई। बैंक अधिकारियों को मामले का पता लगा तो पुलिस को सूचना दी। फरीदाबाद की ग्रीन फील्ड कॉलोनी निवासी नितिन ने पुलिस को बताया कि वह मुख्यालय में कार्यरत है। शनिवार देर रात उन्हें पता लगा कि ककरोई चौक से आगे स्थित उनके एटीएम में घुसकर किसी ने चोरी की कोशिश की है। उसने चोरी करने के लिए एटीएम को क्षतिग्रस्त कर दिया है। जानकारी मिलते ही उन्होंने सिटी थाना पुलिस को कॉल की। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी देवेंद्र कुमार व उनकी टीम मौके पर पहुंच गई। पुलिस को वहां एटीएम क्षतिग्रस्त मिला। उसे क्षतिग्रस्त कर नकदी निकालने की कोशिश की गई थी।

गोहाना खंड की खेल प्रतियोगिताएं 19 को

- विकसित भारत संकल्प यात्रा के चलते गांव आहुलाना में की जाएंगी प्रतियोगिताएं

हरिभूमि न्यूज ⏭ गोहाना

उपमण्डल अधिकारी (ना.) गोहाना आशीष वशिष्ठ एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी सोनीपत के निदेर्शानुसार गोहाना खंड की वर्ष 2023-24 की महिला खेलकूद प्रतियोगिताएं इस बार विकसित भारत संकल्प यात्रा के चलते कथूरा खंड के गांव आहुलाना के खेल स्टेडियम में करवाई जाएंगी। खेल प्रतियोगिताएं 19 दिसंबर को होंगी।

गोहाना खंड की खेलकूद प्रतियोगिताएं बेशक कथूरा खंड के गांव आहुलाना में आयोजित की जा रही हैं लेकिन इनमें भाग केवल गोहाना खंड क्षेत्र की महिलाएं ही ले सकेंगी। लेखाकार प्रवीण मोर के अनुसार इन खेलों में 30 वर्ष से ऊपर की महिलाओं के लिए 100 मीटर दौड़, मटका दौड़ व आलू चम्मच दौड़ जबकि 17 वर्ष से 30 वर्ष की महिलाओं के लिए 400 मीटर दौड़, 300 मीटर दौड़ और 5 किलोमीटर साइकिल दौड़ करवाई जाएगी। साइकिल, मटका, आलू व चम्मच आदि सामान स्वयं प्रतिभागी महिलाओं को अपने साथ लाना होगा। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान खेल प्रतियोगिताओं के साथ-साथ स्टाल लगाकर विभाग की विभिन्न योजनाओं के बारे में लोगों को जानकारी दी जाएगी।

गोहाना। एसडीएम आशीष वशिष्ठ खेलों को लेकर कर्मचारियों के साथ विचार विमर्श करते हुए। फोटो : हरिभूमि

महोत्सव में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

- खंड स्तर पर पहले तीन स्थानों पर रहने वाले कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों ने लिया भाग
- जिला स्तरीय गीता जयंती महोत्सव आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

जिलास्तरीय अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव प्रतियोगिता का समापन हो गया। विभिन्न प्रतियोगिता में अव्वल रहने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल प्राचार्य सुमन बाला ने की। जिलास्तरीय गीता जयंती महोत्सव प्रतियोगिता के दूसरे वर्ग में नौवीं से 12वीं कक्षा तक के खंडस्तरीय प्रतियोगिता में अव्वल रहने वाले विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की। कार्यक्रम में बतौर अतिथि पहुंची सोनीपत खंड शिक्षा अधिकारी मंजू गर्ग व नोडल अधिकारी खरखौदा बीईओ सुजाता खत्री ने विद्यार्थियों के प्रदर्शन की सराहना की और विजेताओं को प्रमाणपत्र देकर पुरस्कृत किया। बीईओ सुजाता खत्री ने बताया कि जिला स्तर पर प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी अब राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा दिखाएंगे। निर्णायक की भूमिका संजय, सुशील, पूनम, मंजू शर्मा, सुमित्रा, स्वर्णलता, रूची व परमजीत ने निभाई। इस दौरान स्कूल के स्टाफ सदस्य भी मौजूद रहे।

यह रहे परिणाम

संवाद प्रतियोगिता के दौरान सोनीपत के गांव शहजादपुर स्थित एमपीजे राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की पूर्णिमा व निशु, भाषण प्रतियोगिता में राई के गांव गढ़ मीमारपुर स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की सानिया, निबंध लेखन प्रतियोगिता में खरखौदा के प्रताप सिंह मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी स्कूल की जन्नत प्रथम रही।

दो बदमाशों ने गाड़ी चालक से नकदी समेत सामान लूटा

- मारपीट के दौरान चालक घायल अस्पताल में करवाया उपचार

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

कुंडली थाना क्षेत्र के गांव नाहरी के पास पैनलल नहरों के बीच फ्लाईओवर के निकट बोलेरो पिकअप गाड़ी चालक को धारदार हथियार दिखाकर दो बदमाशों ने नकदी, मोबाइल, डेबिट कार्ड व अन्य कागजात लूटने के आरोप का मामला सामने आया है। पीड़ित ने डेबिट कार्ड व कागजात वापस मांगे तो बदमाशों ने धक्क-मुक्की कर उन्हें सड़क पर गिरा दिया। उसके बाद वह अपनी बाइक पर सवार होकर भाग गए। पुलिस बदमाशों का पता लगाने के लिए क्षेत्र में लगे सीसीटीवी खंगाल रही है। ताकि कोई सुराग हाथ मिल सके। गांव खिजरपुर जाट माजरा निवासी सुरेंद्र सिंह ने बताया कि उसके पास बोलेरो पिकअप गाड़ी है। उन्होंने अपनी गाड़ी को गांव रतनगढ़ स्थित अपेक्स फोम फैक्टरी में लगा रखा है। वह रविवार तडके अपनी गाड़ी में फैक्टरी से माल भरकर दिल्ली के पूठ गांव के लिए निकला था। जब वह पैरलल नहरों के बीच से जा रहे थे तो गांव नाहरा फ्लाईओवर के पास बाइक सवार दो युवक आए उन्हें गाड़ी को रोकने का इशारा किया। इस पर उन्होंने अपनी गाड़ी को रोक दिया। सुरेंद्र सिंह का आरोप है कि गाड़ी को रोकने के बाद युवकों ने उन्हें गाड़ी से उतरने को कहा। जब वह नीचे उतरे तो युवकों ने धारदार हथियार दिखाकर उन्हें काबू कर लिया। युवकों ने उनसे मोबाइल व पर्स देने को कहा। उन्होंने डरकर युवकों को अपना मोबाइल व पर्स दे दिया। उनके पर्स में 25 हजार रुपये, दो डेबिट कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, आधार कार्ड व अन्य कागजात थे। जब उन्होंने युवकों से उनके डेबिट कार्ड व अन्य कागजात देने को कहा तो उन्होंने धक्का-मुक्की कर दी। उसे सडक पर गिरा दिया। जिससे उनके घुटने में चोट लग गई। बाद में बदमाश अपनी बाइक पर भाग गए। पीड़ित ने अपना उपचार कराने के साथ ही कुंडली थाना की बारोटा चौकी पुलिस को शिकायत दी।

सीसीटीवी की रिकार्डिंग खंगाल रही पुलिस

जांच अधिकारी एसआई नरेश कुमार ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। क्षेत्र में लगे सीसीटीवी की रिकार्डिंग खंगाली जा रही है। जल्द बदमाशों का पता लगाकर आगामी कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

रोटरी क्लब व संजोग अस्पताल मुरथल ने लगाया नेत्र जांच शिविर

शिविर में पहुंचे 227 लोग, 37 मरीजों का होगा ऑपरेशन

हरिभूमि न्यूज ⏭ गन्नौर

रविवार को रेलवे रोड़ स्थित शिव पार्क में रोटरी कल्ब ऑफ गन्नौर व संजोग मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल मुरथल के सौजन्य से निशुल्क नेत्र जांच एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन व स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में संजोग मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल मुरथल से आई डॉक्टरों टीम ने मरीजों की जांच की। रोटरी क्लब ऑफ गन्नौर के प्रधान राजेश जैन व कल्ब के सदस्यों ने डॉक्टरों की टीम का स्वागत किया। प्रधान राजेश जैन ने कहा कि उनके संस्था पूरे समर्पण भाव से विभिन्न क्षेत्रों में अच्छा सेवा कार्य कर रही हैं जिससे लोगों को लाभ पहुंचे। उन्होंने बताया कि रोगियों के ऑपरेशन संजोग अस्पताल में निःशुल्क किए जाएंगे और मरीजों के रहने, उपचार, दवाई, भोजन आदि की व्यवस्था रोटरी क्लब ऑफ गन्नौर द्वारा की जाएगी । स्वास्थ्य एवं नेत्र चिकित्सा शिविर में कुल 227 रोगियों को पंजीकृत किया गया। उन्होंने बताया कि इनमें से 201 मरीजों के आँखों की जांच की गई जिसमें से 37 रोगियों को मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चिन्हित किया गया है। इसके अलावा 26 अन्य मरीजों की भी जांच की गई। इस मौके पर संजोग अस्पताल के संचालक डॉ. संजय जैन व डॉ. जोगेंद्र धनखड़ ने सर्दी के मौसम में होने वाली बीमारियों व उनसे बचाव के टिप्स भी मरीजों को दिए। स्वास्थ्य एवं नेत्र चिकित्सा एवं जांच शिविर में डॉ. संजय जैन, डॉ. जोगेन्द्र धनखड़, डॉ. मीर अहमद, डॉ. ताहिर एम ढार, भारत दुआ, रिया, वंदना व लक्ष्मी व उनकी टीम द्वारा रोगियों की जांच की गई। इस अवसर पर क्लब के प्रधान राजेश जैन, विकास जैन, संदीप जैन, राकेश सिन्धवानी, पवन जैन व नवीन खन्ना ने व्यवस्था बनाने में अपना सहयोग दिया।

गन्नौर। शिविर का शुभारंभ करते संजोग अस्पताल के संचालक डॉ संजय जैन,डॉ जोगेंद्र धनखड़ व क्लब के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

रक्तवीर आशीष सेवा सम्मान से सम्मानित

- दिल्ली पुलिस से हेड कांस्टेबल के रूप में सेवारत हैं आशीष दहिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ खरखौदा

सिसाना निवासी एवं दिल्ली पुलिस में सेवारत हैड कांस्टेबल आशीष दहिया को 130 बार रक्तदान करने, सैकड़ों रक्तदान शिविर आयोजित करने व नियमित रूप से जरूरतमंदों के लिए निःशुल्क रक्त उपलब्ध करवाने के लिए सेवा भारती संस्था ने सेवा सम्मान 2023 से सम्मानित किया है। उन्हें यह सम्मान लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और प्रतिमा भौमिक राज्य मंत्री सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता के हाथों ग्रहण किया। आशीष ने बताया कि वह इस सम्मान को अपनी पूरी टीम, अपने परिजनों, ग्रामवासियों और विभागीय साथियों को समर्पित करते हैं, जो उनको हर पल सहयोग करते हैं। जिनके कारण ही उन्हें इस मंच तक पहुंचने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। उल्लेखनीय है कि आशीष दहिया लम्बे समय से रक्तदान पर मुहिम चलाए हुए हैं।

कार्यक्रम के दौरान इंद्रेश कुमार राष्ट्रीय कार्यकारिणी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, श्याम सुंदर अग्रवाल चेयरमैन कांटिनेंटल मिलकोज इण्डिया, सेवा भारती अध्यक्ष रमेश अग्रवाल, इंस्पेक्टर बहादुर सिंह गुलिया उपस्थित रहे।

शरद पूर्णिमा पर उमड़ती है भारी भीड़

झज्जर के दूबलधन माजरा-डी में स्थित जटेला धाम में हर वर्ष शरद पूर्णिमा पर आयूर्वेदिक जड़ी बूटियों से तैयार की गई खीर का भंडारा लगाया जाता है। इसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है। वैसे तो यहां हर रोज भंडारा चलता रहा है। लेकिन शरद पूर्णिमा के भंडारे का खास महत्व है। बताया जा रहा है कि यहां नजले, दमे, एलर्जी की बीमारी वाले लगभग एक लाख से अधिक लोग इस आश्रम द्वारा तैयार विशेष जड़ी बूटियों से तैयार खीर खाकर ठीक हो चुके हैं।

संत कवि स्वामी नितानन्द की तपोभूमि जटेला धाम

18वीं शताब्दी में स्वामी नितानन्द जी महाराज ने समाज सुधार और भक्ति काव्य की रचना की जो संत सिद्धांत प्रकाश ग्रंथ में भी विद्यमान है, उसकी शिक्षाएं आज भी प्रासंगिक हैं। नंदलाल से स्वामी नितानन्द बने संतजी भरतपुर रियासत के तहसीलदार और बीरबल के वंशज थे। उनके नाना सिताबराय रेवाड़ी और नीमराणा रियासत के सैन्य प्रशासक थे। उन्होंने अपने गुरु संत गुमानी दास जी महाराज की आज्ञा से बिगोवा, बास, रानीला, माजरा, दूधवा, वीना गांव के बीच जटेला धाम में कई बर्षों तक तपस्या की।

गुरु महाराज की गद्दी जहां बैठकर विश्राम करते थे

आस्था | विनोद कौशिक

झज्जर के गांव दूबधन माजरा में साहित्य व अध्यात्म के केंद्र जटेला धाम में संत कवि स्वामी नितानन्द की तपोभूमि पर हर रविवार आस्था का सैलाब उमड़ता है। जटेलाधाम में आज से करीब 220 वर्ष पूर्व उस दिव्य महापुरुष (स्वामी नितानन्द) ने अपनी दिव्य अप्रकृत लीला का विस्तरण कर नर नारियों की हृदयभूमि को प्रेम से आप्लावित किया। स्वामी नितानन्द सन 1799 ई. को हमारे चक्षुओं से ओझल जरूर हो गए, परन्तु उनकी परम चेतना और उनका मार्ग दर्शन उनके शरणागतों को आज भी होता रहता है। आज उनकी लीला भूमि अर्थात उनकी तपोभूमि के द्वार हर जीव मात्र के लिए खुले हैं। 18वीं शताब्दी में स्वामी नितानन्द ने समाज सुधार और भक्ति कायव्य की रचना की जो संत सिद्धांत प्रकाश ग्रंथ में विद्यमान है, उसकी शिक्षाएं आज भी प्रासंगिक हैं। नंदलाल से स्वामी नितानन्द बने संतजी भरतपुर रियासत के तहसीलदार और बीरबल के वंशज थे। उनके नाना सिताबराय रेवाड़ी और नीमराणा रियासत के सैन्य प्रशासक थे। उन्होंने अपने गुरु संत गुमानी दास जी महाराज की आज्ञा से बिगोवा, बास, रानीला, माजरा, दूधवा, वीना गांव के बीच जटेला धाम में तपस्या की। जटेला धाम के महंत स्वामी राजेंद्र दास जी महाराज ने बताया कि दंत कथाओं के मुताबकि स्वामी जी ने यहां करीब 12 साल तक जाल के वृक्ष के नीचे तपस्या की। तपस्या के दौरान उनके निर्मल मन से उनके मुख से जो वाणी निकली वही काव्य शास्त्र बन गया। इनके काव्य को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय और महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक में भी पढ़ाया जाता है। उस पर रिसर्च की जाती है। बताते हैं कि स्वामी अपने गुरु संत गुमानी दास जी महाराज की आज्ञा के अनुसार यहां जटेला की पावन धरा में तप करने आए थे।

तपस्या

दंत कथाओं के मुताबकि स्वामी जी ने यहां करीब 12 साल तक तपस्या की थी।

रिसर्च

स्वामी जी के काव्य को कुरुक्षेत्र विवि व महर्षि दयानंद विवि रोहतक में पढ़ाया जाता है। उस पर रिसर्च की जाती है।

यह भी मान्यता

जटेला धाम में यह भी मान्यता है कि यहां नितानन्द जी महाराज ने लोगों के कष्टों का निवारण किया। जब स्वामी जी गांव वालों को प्रवचन देते थे तो यही कहते थे कि जब इस शरीर रूपी काया का इस संसार से त्याग होगा तो मेरे शरीर को यहीं जंगल में इसी पेड़ के नीचे रख देना, ताकि यहां पशु-पक्षी जंगली जानवर अपना पेट भर सकें।

ये कथा प्रचलित

यहां यह कथा भी प्रचलित है कि जब स्वामी जी का मानव रूपी शरीर पूरा हुआ तो लोगों ने उनके कहे अनुसार उनके शरीर को वहां स्थित एक जाल के पेड़ के नीचे छोड़ दिया। इसके बाद वे वहीं से सहशरीर वैकुंठ धाम को चले गए। बताया जाता है कि उसी स्थान पर कुछ दूरी पर महाराज जी की चरण पादुकाएं और बर्तन मिले। तभी से उस जाल के पेड़ के नीचे महाराज जी की अखंड ज्योत और पाठ करने की परंपरा आरंभ हो गई। वहां यदि सच्चे मन से कोई फरियादी अपनी फरियाद लेकर जाता है तो स्वामी जी की दया से उसकी सभी मन्नतें पूर्ण होती हैं।

जटेला धाम में उमड़ी भीड़।

होता है बीमारियों का इलाज

यह धाम झज्जर और चरखी दादरी शहर से मात्र 25 किलोमीटर की दूरी पर बेरी के पास गांव दूबलधन माजरा-डी में स्थित है। आश्रम के पीठाधीश्वर महंत राजेंद्र दास महाराज ने देशी एवं आयुर्वेदिक जड़ी बूटियों पर शोध किया है और शोध के बाद अनेक जटिल बीमारियों के इलाज भी किया है। महंत राजेंद्र दास कैंसर, किडनी, अस्थमा, दमा, नजला, जुकाम, खांसी, टीबी, जोड़ों का दर्द, पीलिया, टाइफाइड सहित अनेक गंभीर बीमारियों का इलाज देशी जड़ी बूटियों से करते हैं। यहां अब तक लाखों लोग ठीक हो चुके हैं।

300 साल पुराना जाल का पेड़

आश्रम के पीठाधीश्वर महंत राजेंद्र दास महाराज ने बताया कि जिस जाल के पेड़ के नीचे बैठकर स्वामी जी महाराज ने तपस्या की थी वह करीब 300 साल पुराना जाल का पेड़ आज भी यहां मौजूद है। इस पेड़ को संरक्षित किया गया है। इसे लोहे पाइपों से सहारा देकर क्षतिग्रस्त होने से बचाया गया है। इस पेड़ पर कई शोध भी हो चुके हैं। इसके अलावा आश्रम में 100 से 150 साल पुराने जाल के और भी पेड़ मौजूद हैं। वहीं बड़ और पीपल के भी बहुत पुराने पेड़ आश्रम में मौजूद हैं।

हर रविवार को देते हैं दवाइयां

महंत राजेंद्र दास यहां हर रविवार को प्रवचन करते हैं और लोगों को दवाइयां भी देते हैं। यहां नशा छुड़वाने के लिए भी दवाई दी जाती है। हर रविवार को हजारों की संख्या में लोग पहुंचते हैं। इसके अलावा आश्रम में ध्यान शिविर भी लगाया जाता है। जिसमें सैकड़ों की संख्या में लोग पहुंचते हैं। ध्यान शिविर में भाग लेने के लिए पहले रजिस्ट्रेशन करवाना पड़ता है। यहां आने वालों के लिए रहने और खाने की व्यवस्था आश्रम की तरफ से ही की जाती है। ध्यान शिविर हर रविवार को होता है, जबकि साल में एक बार तीन दिन के लिए शिविर लगता है।

मिलती है मन की शांति

जटेला धाम समाजिक कार्यों में भी बढ़-चढ़कर भाग लेता है। आश्रम में पहुंचे लोगों ने कहा कि वह यहां से दवाइयां लेकर जाते हैं, जिससे उन्हें काफी आराम मिला है। यह एक तपोभूमि है। यहां आकर लोगों को इलाज के साथ-साथ मन की शांति प्राप्त होती है।

जटेला धाम के महंत राजेंद्र दास जी महाराज।

पर्यावरण के लिए भी कर रहे काम एक लाख त्रिवेणी लगाने का लक्ष्य

महंत राजेंद्र दास महाराज ने बताया कि उन्होंने प्रदेश में त्रिवेणी महोत्सव का आयोजन किया था। इसके तहत पूरे प्रांत में त्रिवेणी(बड़, नीम व पीपल) लगाने का लक्ष्य रखा है। अब तक दादरी, महेंद्रगढ़, रेवाड़ी, गुरुग्राम, झज्जर, रोहतक, फरीदाबाद व पानीपत समेत कई जिलों में करीब 15 हजार त्रिवेणी लगाई जा चुकी हैं। वहीं, अब प्रदेश में पंचवटी (बड़, पीपल, बेल, आवला और अशोक) लगाने का भी लक्ष्य रखा गया है।

यह भी कार्यक्रम

जटेला धाम पर साल में एक बार स्वास्थ्य जांच शिविर भी लगाया जाता है। हर साल होली के बाद दुल्हेंडी और भदो शुदिएकम पर आश्रम में विशाल कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। इन मौकों पर यहां देशभर से श्रद्धालु पहुंचते हैं और अपनी मन्नतें मांगते हैं। यहां भंडारा देने के लिए भी लंबी लाइन रहती है।

कई बड़ी हस्तियां कर चुकी आश्रम का दौरा

इस आश्रम में देश की बड़ी हस्तियों का तांता लगा रहता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले, एम्स के पूर्व निदेशक डॉ रणदीप गुलेरिया, पूर्व में शिक्षा मंत्री रामविलास शर्मा, शिक्षा मंत्री कंवर पाल गुज्जर, कृषि मंत्री जेपी दलाल, गौता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज, अयोध्या राम जन्मभूमि आंदोलन के मुख्य नेता रामविलास वेदांती समेत कई बड़े दिग्गजों ने इस आश्रम का दौरा किया है और जटेला धाम द्वारा लोगों को दी जा रही सेवाओं की सराहना भी की है।

जटेला धाम में इसी जाल के वृक्ष के नीचे बैठकर स्वामी नितानन्द जी महाराज ने कई वर्षों तक तपस्या की थी।

कविता | सीमा रंगा इन्द्रा

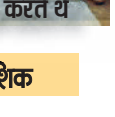

नासमझ बेटा

मात- पिता की बात मान लो, नही पड़े दुख सहना,
समझा- समझा हार गए क्यों, नहीं मानते कहना,
कहने बैठो गर कुछ इनको, कहे नासमझ हमको,
भूल रहे जीवन से शिक्षा, दूर करे है तमको।

इनकी बातें बड़ी निराली, चकित सभी को करती,
सुने नहीं है बात बड़ों की ,देख इन्हें माँ डरती,
जुबां चलाएं सबके आगे ,करते हैं मनमानी,
घर में अपना रौब जमा कर,करते है नादानी।

दो आखर को पढ़ कर समझे, खुद को बेशक ज्ञानी।
पड़ जाए जो बोझ उठाना, याद करे वो नानी,
फिर मत कहना नहीं समझ थी, हमें नहीं समझाया,
निकल गया जो समय हाथ से, लौट कहो कब आया।

बन जायेगा जीवन तेरा, सुनो ध्यान धर बातें,
तेरे ही सुख खातिर जागे, हैं हम कितनी रातें,
केवल सच ही जीवन नैया पार करेगा तेरी,
इसीलिए बेटा बातों पर, अमल करो बिन देरी

कविता | डॉ. अशोक कुमार वर्मा

यह पैसा बुरी बीमारी

यह पैसा बुरी बीमारी रातों की नींद हरे।
जब तक न हो खत्म मन बावला करे।
क्या नया खरीदूं कैसे इसे उड़ाऊँ।

जितना अधिक रुपया उतना संकट भारी।
दिन में नहीं चैन बन्दा कूदता फिरे।
यह पैसा बुरी बीमारी रातों की नींद हरे...

वेतन मिले जिस दिन मैं शीघ्र ठिकाने लगाऊ।
जब तक न हो ख़त्म न चैन से बैठ पाऊँ।
यह पैसा बुरी बीमारी रातों की नींद हरे...

जब तक रहे पास न कुछ और सोच पाऊँ।
जिस जिस की है उधारी मैं शीघ्र चुकाऊँ।
यह पैसा बुरी बीमारी रातों की नींद हरे...

वेतन जब हो जाए खत्म तब उधारी उठाऊँ।
25 दिन महीने के बड़ी शांति से बिताऊं।
यह पैसा बुरी बीमारी रातों की नींद हरे.....

कविता | गरिमा

विद्यार्थी और शिक्षक

एक इंसान शिक्षा देने वाला, बच्चों का रखवाला
नारियल जैसा चरित्र,मन गंगा सा पवित्र
असंख्य बच्चे उसकी पहचान, बच्चे ही उसकी जान
जुड़ जाता है दिल, बच्चों से इस तरह
दोस्त, माँ, भाई, बहन का इस तरह
ज्ञान की धारा कुछ ऐसे बहती है
मेरे विद्यार्थी सफल हो, उसकी हर धड़कन कहती है।
जीवन के किसी मोड़ पर, समय ऐसा आता है, फ़ुल जैसे
नाजुक बच्चों को छोड़ना पड़ जाता है ।
पर दिल का रिश्ता मानो और भी गुड बनता जाता है।
प्यारे सभी बच्चे शिक्षक की जान होते हैं।
उसके दिल की धड़कन और माथे का अभिमान होते हैं।
विद्यार्थी से बच्चे और बच्चों से संसार है।
बस कुछ ऐसा खट्टा-मीठा, सुंदर - शुद्ध
विद्यार्थी-शिक्षक का प्यार है

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

ऐतिहासिक | पुरातत्व विभाग से लेकर केंद्र व राज्य सरकार ने इन ऐतिहसिक इमारतों की ओर नहीं दिया कभी ध्यान

अरावली पर्वत पर 1300 ई. में बना कोटला किला बदहाल

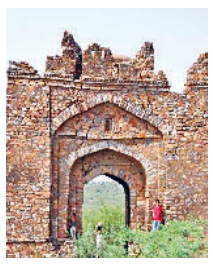

ऊंचाई

हजारों फुट ऊंचाई पर करवाया किले का निर्माण

निगरानी

चारों तरफ निगरानी के लिए मचानें बनवाई गई

हिफाजत

हिफाजत के लिए शाम ढलते ही कर देते थे दरवाजे बंद

अनदेखी | कासिम खान

मेवात जिले के कोटला गांव में अरावली पर्वत की चोटी पर करीब 1300 ईस्वी में नवाब नाहर खान ने दुश्मनों के छक्के छुड़ाने के लिए हजारों फुट ऊंचाई पर किले का निर्माण कराया। किले के चारों तरफ निगरानी के लिए मचानें बनवाई गई। सुरंग से लेकर घुड़साल और तालाब भी बनवाया गया था। घोड़ों को तिजारा राजस्थान की तरफ से किले तक पहुँचाया जाता था। कोटला गांव के चारों तरफ बड़ी चौड़ी और ऊँची दीवार थी। दुश्मनों से हिफाजत के लिए शाम ढलते ही दो दरवाजे थे, जिन्हें बंद कर दिया जाता था। किले के ठीक समीप से सदियों से पानी झरने बहते हैं। झरने के पानी से महिलाएं कपड़े धोती हैं, साथ ही

पशुओं को भी लोग पानी पिलाते हैं। कई सौ फुट ऊंचाई से झरने का पानी गिरता है, जो कुदरत का बेजोड़ नमूना है। इस मुकाम और ऊंचाई पर बने कोटला किले का जायजा लेने के लिए हमारी टीम ने जान जोखिम में डाल कर उबड़ -खाबड़ पहाड़ के रास्ते को पार करते हुए किले तक का सफर तय किया। बताया जाता है की कोटला की राजधानी को तहस-नहस करने के लिए राजाओं हमले, शायद उसी का नतीजा है की अरावली की चोटी पर इस किले का निर्माण नवाब नाहर खान ने किया। नाहर खान वंशज शहीद राजा हसन खान मेवाती थे, जिनके नाम पर आज मेडिकल कालेज का नामकरण सूबे की सरकार कर चुकी है। हसन खान मेवाती ने राणा सांघा और बाबर के बीच जो युद्ध हुआ था, उसमें हसन खान मेवाती ने बाबर का नहीं बल्कि राणा सांघा का साथ दिया था। उस वीर शहीद को आज भी लोग मेवात में याद करते हुए सीना चौड़ा कर लेते हैं।

वतनपरस्ती के साथ-साथ हिन्दू -मुस्लिम भाई चारे को उस समय भी हसन खान मेवाती ने बढ़ाया था। इसके अलावा 1300 ईस्वी में ही फिरोजशाह तुगलक के वंशज ने बड़े विशालकाय पत्थरों से मस्जिद का निर्माण कराया।

जीर्णोद्धार की जरुरत

इसके निर्माण में गारे-मसाले का कम ही प्रयोग हुआ। इन ऐतिहासिक इमारतों की पुरातत्व विभाग लेकर केंद्र व सूबे सरकार ने कभी ध्यान नहीं दिया। किला बदहाल होता जा रहा है। किले में एक गुफा है, जिसकी गहराई आज तक कोई नहीं माप पाया। लोग बताते हैं कि गुफा फिरोजपुर झिरका में जाकर निकली थी, ऐसा भी तब हुआ जब गाय को ढूढ़ने के लिए लोग गुफा में उतरे थे। दीये के लिए सवा मन सरसों का तेल लेकर गए थे,लेकिन गाय नहीं मिली। वे फिरोजपुर झिरका में जाकर निकले। इसके जीर्णोद्धार की जरुरत है। ताकि आने वाली पीढ़ियां इनके बारे में जान सकें।

नए जमाने के म्यूजिक में लुप्त हो रही सारंगी की धुनें

◆ अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव में लोगों को करवा रहे संस्कृति से रूबरू ◆ पांचवी पीढ़ी विद्या को बढ़ा रही आगे ◆ सरकार से प्रोत्साहन मिलने की जरूरत

कलाकार | तरुण वधवा

नए जमाने के म्यूजिक में सारंगी की धुनें लगभग लुप्त हो रही हैं। आज की पीढ़ी अपने इस शास्त्रीय संगीत के वाद्य को भूलने लगी है। सारंगी शास्त्रीय संगीत का एक वाद्य यंत्र है। यह एक खोखली लकड़ी के लंबे डिब्बे जैसी होती है, जिस पर चमड़े की परत चढ़ी होती है। इसमें सिर्फ तीन तार होते हैं। इसे एक बो की मदद से बजाया जाता है जिसे गज कहते हैं। पुराने जमाने में घुमक्कड़ जातियां सारंगी बजाया करती थीं। पहले इसे सारिंदा नाम से भी जाना जाता था। कुरुक्षेत्र के ऐतिहासिक ब्रह्मसरोवर पर लगे अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव में गांव खरल जिला जींद निवासी सारंगी वादक प्रेम चंद अपनी टीम के साथ आए हैं। उनकी टीम में हरिकेश लांबा, सतबीर, कृष्ण कुमार, राजेंद्र, इंद्र व उदयभान शामिल हैं। ये सारंगी वादक सारंगी की तार से निकलने वाली मीठी-मीठी धुनों से महोत्सव में आए पर्यटकों का मनोरंजन कर रहे हैं। सारंगी वादक प्रेम सिंह बताते है कि यह उनकी पांचवी पीढ़ी है जो इस विद्या को आगे बढ़ाने का कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि अब अगली पीढ़ी इस विद्या में आना नहीं चाहती है क्योंकि इससे परिवार का गुजारा नहीं चलता, जिस कारण यह विद्या अब लुप्त होती जा रही है।

प्रेम सिंह का कहना है कि अब साल में 10 से 12 कार्यक्रमों में ही काम मिलता है। इसके अलावा वे साल भर खाली घर पर रहते हैं। इस विद्या से अब घर का खर्च नहीं चलता है। उन्होंने सरकार से मांग की है कि सरकार ऐसी विद्या को बचाने

के लिए कलाकारों को प्रोत्साहित करे। उनके लिए गुजारा भत्ता शुरू किया जाए, ताकि वे अपने परिवार का पालन पोषण करने के साथ-साथ इस विद्या को जिंदा रख सके।

स्कूलों में दी जाए शिक्षा

65 वर्षीय प्रेम सिंह का कहना है कि सारंगी विद्या को जीवित रखने के लिए स्कूलों में इसकी शिक्षा दी जानी चाहिए, ताकि आने वाली पीढ़ी का रुझान इस ओर बढ़े। उन्होंने बताया कि इस विद्या को जीवित रखने के लिए स्कूलों में गुरु-शिष्य परपंरा शुरू की जा सकती है। इसके तहत 6 महीने का कोर्स करने के बाद विद्यार्थियों को वजीफा के तौर पर सर्टिफिकेट व नकद राशि देकर सम्मानित किया जा सकता है। इससे आने वाली पीढ़ी का रुझान अवश्य ही बढ़ेगा।

ऐसे बढ़ी रुचि

सारंगी विद्या में रुचि बढ़ने बारे प्रेम सिंह बताते हैं कि उनके पिताजी सारंगी बजाते थे तो उनके साथ-साथ जाकर उन्हें भी सारंगी का शौक चढ़ गया। उनके पास कोई पुश्तैनी जमीन या अन्य कोई कार्य नहीं था, इसलिए उन्होंने सारंगी को ही अपना कार्यक्षेत्र चुना।

प्रेम सिंह बताते हैं कि पहले जमाने में लोग सारंगी की लोग कद्र करते थे। सारंगी की धुनों को शांति से सुनते थे, लेकिन आज के युवा सारंगी की धुन को सुनना पसंद नही करते हैं। प्रेम सिंह बताते हैं कि जब वे 10 वर्ष के थे तो उनके पिताजी कहीं गए हुए थे और सारंगी घर पर दीवार के ऊपर टंगी हुई थी। उन्होंने सारंगी को दीवार से उतारकर बजाना शुरू कर दिया। जब उनके पिताजी आए तो उन्होंने देखा कि यह तो अपने आप ही सारंगी बजा रहा है। तब उनके पिताजी ने उनको सारंगी बजाना सिखाया। प्रेम सिंह ने बताया कि सारंगी के साथ गाया जाने वाला भजन भी उनका है, साज और ताल भी उनकी खुद की है। प्रेम सिंह बताते है कि हीर रांझे की आवाज से पशुओं की बीमारी दूर होती है। जिस किसी भी गांव में पशुओं की महामारी फैलती है तो वहां पर जोगी बुलाए जाते है। रांझे जिस भी गांव में जाते हैं वह पशुओं का इलाज रात के अंधेरे में करते हैं। रात में सारंगी की तान छिड़ती है तो रांझे के स्वर गूंजते हैं। जहां तक आवाज जाती है पशु भी एकटक खड़े हो जाते हैं मानो वह इस संगीत को सुन रहे हों। ग्रामीणों का मानना है जहां तक भी यह आवाज जाएगी, कोई भी टोना-टोटका या बीमारी असर नहीं करेगी।

एक बार गांव में डेरा जमाने के बाद यह तब तक गांव में बसेरा करते हैं, जब तक पशु ठीक नहीं हो जाएं। इस दौरान रहने तथा खाने-पीने की व्यवस्था ग्रामीण ही करते हैं। पशुओं के ठीक होते ही यह दूसरे गांव के लिए रवाना हो जाते हैं।

सारंगी की तान का कोई मोल नहीं

रांझे की सारंगी के निकली तान का कोई मोल नहीं है। वह कहते हैं अगर इसकी कीमत लगाई तो यह बेअसर हो जाएगा। जिस गांव में जाते हैं, उस गांव के लोग खुद ही अपनी इच्छा से उन्हें सामान देते हैं। कोई कपड़े देता है तो कोई अनाज। रांझे से सारंगी से इलाज के संबंध में पूछने पर वह कहते हैं यह तो हमे नहीं पता, क्योंकि हमें यह गीत एवं तान विरासत में मिली है, लेकिन जिस तरह से तनाव में आने पर आदमी जब संगीत सुनता है तो उसका तनाव दूर होता है। अगर मन खुश रहता है तो फिर प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। इससे बीमारियां दूर रहती हैं इसी तरह से हम पशुओं के लिए गाते हैं।

खबर संक्षेप

खरखौदा। निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर में पहुंचे ग्रामीण। फोटो: हरिभूमि

मटिंडू शिविर में 167 ने करवाई स्वास्थ्य जांच

खरखौदा। गाँव मटिण्डू में क्रांतिकारी पर्वतारोही नीतीश दहिया फाउंडेशन द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें किसान मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल व चिकित्सकों की टीम ने ग्रामीणों के स्वास्थ्य की जाँच की और बीमारी से पीड़ित लोगों को मुफ्त दवाइयां दी। इस दौरान 167 मरीजों ने अपने स्वास्थ्य की जाँच करवाई।

सोनीपत। कार्यक्रम में पहुंचे विधायक सुरेंद्र पंवार का स्वागत करते हुए फाउंडेशन के पदाधिकारी।

स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया

सोनीपत। जनहित अभियान फाउंडेशन द्वारा गांव कालूपुर में निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि विधायक सुरेंद्र पवार ने शिविर का उद्घाटन किया। इस मौके पर विधायक सुरेंद्र पंवार ने कहा कि पहला सुख निरोगी काया है। हर व्यक्ति को अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहना चाहिए। स्वास्थ्य जांच शिविर में उजाला सिग्नस हिंदू हॉस्पिटल की टीम ने मरीजों की जांच की।

स्वतंत्र वीर व प्रतीक ने जीता स्वर्ण पदक

रोहतक। बैंगलुरू में हुए नेशनल स्कूल गेम्स में हरियाणा ने लॉन टेनिस में स्वर्ण पदक हासिल किया। हरियाणा की टीम का प्रतिनिधित्व स्वतंत्र वीर सिंह काजल व प्रतीक श्योराण ने किया। दोनों ही खिलाड़ी रोहतक के मकड़ौली टोल प्लाजा के नजदीक स्थित डायमेट्रिक्स स्पोर्ट्स अकादमी में लॉन टेनिस का प्रशिक्षण हासिल कर रहे हैं। यह जानकारी अकादमी के संचालक अमित काजल ने रविवार को दी। उन्होंने बताया कि नेशनल स्कूल गेम्स 11 से 14 दिसंबर तक बैंगलुरू में हुए थे।

टिटोली गांव में लाइब्रेरी का किया उद्घाटन

रोहतक। टिटोली से युवा साथी विकास आर्य ने बताया कि गांव टिटोली में लड़कियों के लिए एक लाइब्रेरी खोली गई है। जिसका उद्घाटन गांव की बेटियों ने रविवार को कुंडू भवन में किया गया। कार्यक्रम में रमेश, संजय, अरविंद, मनीष, नवीन, रूपक, अंशु पहलवान, प्रवीण, रोहित पहलवान, वजीर आर्य मौजूद रहे।

परिणाम में सुधार के लिए वेबिनार आज

रोहतक। उपायुक्त अजय कुमार ने बताया कि हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी द्वारा आयोजित करवाई जाने वाली सेकेंडरी एवं सीनियर सेकेंडरी वार्षिक परीक्षा फरवरी, मार्च-2024 के परिणाम में सुधार के लिए 18 दिसंबर को सुबह 11 बजे यूट्यूब लाइव के माध्यम से निदेशालय, सेकेंडरी शिक्षा, हरियाणा के सहयोग से वेबिनार का आयोजन किया जायेगा।

हमें महापुरुषों के दिखाए मार्ग पर चलने का अटूट संकल्प लेना चाहिए

प्राणों की आहुति देने में गुरु तेग बहादुर का स्थान अद्वितीय : सुरेन्द्र पंवार

- विधायक सुरेंद्र पंवार ने सेक्टर 15 स्थित श्री गुरुद्वारा साहब में माथा टेककर किया नमन

हरिभूमि न्यूज ⏭सोनीपत

सोनीपत। विधायक सुरेंद्र पंवार गुरु तेग बहादुर के शहीदी दिवस पर नमन करते हुए तथा कार्यक्रम के दौरान उपस्थित संगत। फोटो: हरिभूमि

विधायक सुरेंद्र पंवार ने कहा कि विश्व इतिहास में धर्म एवं मानवीय मूल्यों, आदर्शों एवं सिद्धान्त की रक्षा के लिए प्राणों की आहुति देने वालों में गुरु तेग बहादुर साहब का स्थान अद्वितीय है। गुरू तेग बहादुर प्रथम गुरु नानक जी द्वारा बताए गये मार्ग का अनुसरण करते रहे। उनके द्वारा रचित 115 पद्य गुरु ग्रन्थ साहिब में सम्मिलित हैं। विधायक सुरेन्द्र पंवार ने गुरु तेग बहादुर के शहीदी समागम के अवसर पर सेक्टर-15 स्थित गुरूद्वारा गुरू तेग बहादुर गुरूद्वारा साहब में पहुंचकर मत्था टेकने के उपरांत सांध-संगत को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गुरु का बलिदान न केवल धर्म पालन के लिए नहीं, अपितु समस्त मानवीय सांस्कृतिक विरासत की खातिर बलिदान था। धर्म उनके लिए सांस्कृतिक मूल्यों और जीवन विधान का नाम था। उन्होंने कहा कि विश्व को ऐसे बलिदानियों से प्रेरणा मिलती है, जिन्होंने जान तो दे दी, परंतु सत्य का त्याग नहीं किया। नवम पताशाह गुरू श्री तेग बहादुर जी भी ऐसे ही बलिदानी थे। गुरू जी ने स्वयं के लिए नहीं बल्कि दूसरों के अधिकारों एवं विश्वास की रक्षा के लिए अपने प्राणों का उत्सर्ग किया। हमे ऐसे महापुरूष के दिखाए मार्ग पर चलने का अटूट संकल्प लेना चाहिए। इस दौरान सरदार भगवंत जम्बल, सरदार परमजीत सिंह, जसबीर, तजेंद्र, इद्रपाल सहित बड़ी तादाद में गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

गुरुद्वारा में मनाया गुरु तेग बहादुर साहब का शहीदी दिवस

सोनीपत। गुरुद्वारा श्री गुरु तेग बहादुर साहब सेक्टर 15 सोनीपत में श्री गुरु तेग बहादुर साहब का शहीदी दिवस मनाया गया। गुरुजी को औरंगजेब के शासनकाल में चांदनी चौक दिल्ली में धर्म परिवर्तन न करने पर शहीद कर दिया गया था। उनसे एक दिन पहले उनके सिख भाई मती दास, भाई सती दास भाई दयाल को शहीद किया गया था। इस शहीदी समागम में अमृतसर दरबार साहब से भाई ओंकार सिंह हजूरी रागी दरबार साहिब आए। उन्होंने संगत को गुरु तेग बहादुर साहब की अमृतमयी वाणी का कीर्तन श्रवण कराया। कविश्री जथा भाई जोरावर सिंह ने संगत को कविताओ द्वारा गुरु साहब की शहादत का इतिहास श्रवण कराया। महासचिव परमजीत सिंह ने बताया कि गुरु तेग बहादुर साहब ने हिंदू धर्म की रक्षा करते हुए अपना शीश भेट कर दिया परंतु धर्म परिवर्तन नहीं किया। इस अवसर पर विधायक सुरेंद्र पवार, भाजपा नेता राजीव जैन एवं तरुण देवदास भी गुरुद्वारा साहब पहुंचे। गुरुद्वारा समिति की ओर से उन्हें सिरोपाओ भेट किया गया। समाप्ति के उपरांत गुरु का लंगर वरताया गया। इस अवसर पर गुरुद्वारा साहब के अध्यक्ष सरदार भगवंत सिंह जबल, सरदार जसवीर सिंह, सरदार तेजिंदर सिंह, अमरीक सिंह, सतनाम सिंह, सुभाष हंस, मनजीत सिंह, गुरदयाल सिंह व फतेहचंद नारंग उपस्थित रहे।

शहीदी दिवस पर गुरु तेग बहादुर को किया नमन

गोहाना। नवम पातशाही गुरु तेग बहादुर का बलिदान दिवस रविवार को वार्ड नंबर 8 स्थित सत नगर के सचखंड गुरुद्वारे में मनाया गया। सुखमणि सोसायटी के तत्वावधान में हुए इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता आजाद हिंद देशभक्त मोर्चे के निदेशक डॉ. सुरेश सेतिया थे। डॉ. सुरेश सेतिया ने कहा कि आततायी शासक की धर्म विरोधी और वैचारिक स्वतंत्रता का दमन करने वाली नीतियों के विरुद्ध गुरु तेग बहादुर का बलिदान एक अभूतपूर्व ऐतिहासिक घटना थी। यह गुरुजी के निर्भय आचरण, धार्मिक अडिगता और नैतिक उदारता का उच्चतम उदाहरण था। गुरुजी मानवीय धर्म एवं वैचारिक स्वतंत्रता के लिए अपनी महान शहादत देने वाले एक क्रांतिकारी युग पुरुष थे। सुखमणि सोसायटी की अध्यक्ष मंजू सचदेवा ने कहा कि विश्व इतिहास में धर्म एवं मानवीय मूल्यों, आदर्शों एवं सिद्धांत की रक्षा के लिए प्राणों की आहुति देने वालों में गुरु तेग बहादुर साहब का स्थान अद्वितीय है। इस अवसर पर आजाद सिंह दांगी, उधम सिंह, मास्टर गुलाब सिंह, राज कुमार, हरभगवान चोपड़ा, मुखत्यार सिंह दांगी, गुरदीप सिंह, राम कुमार आदि भी मौजूद रहे।

गोहाना। गुरु तेग बहादुर को याद करते हुए नागरिक। फोटो : हरिभूमि

सोनीपत। कार्यक्रम में पहुंचें अतिथियों को सम्मानित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

आर्य समाज ने अपने कार्यों से प्राणिमात्र का कल्याण किया

जन्मगत जाति का विरोध करता है आर्य समाज

- आर्य समाज मालवीय नगर सोनीपत का 28वां एक दिवसीय वार्षिकोत्सव समारोह सफलतापूर्वक सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज ⏭सोनीपत

आर्य समाज मालवीय नगर सोनीपत का 28 वां वार्षिकोत्सव संस्था प्रधान नारायण सिंह दहिया और आर्य प्रतिनिधि सभा हरियाणा के प्रधान सेठ राधाकृष्ण आर्य की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। डॉ. अमर सिंह के ब्रह्मत्व में यज्ञ किया गया। कार्यक्रम में मंच संचालन आर्य समाज के प्रधान ने कुशलता पूर्वक किया। यज्ञोपरांत सन्दीप शास्त्री द्वारा प्रभु भक्ति, राष्ट्र भक्ति सामाजिक, स्वामी दयानन्द सरस्वती के गीत प्रस्तुत करके श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम के प्रमुख वैदिक प्रवक्ता आचार्य शिव पूजन आर्य ने अपने उद्बोधन में कहा कि महर्षि स्वामी दयानन्द सरस्वती ने आर्य समाज की स्थापना करके मनुष्यों के लिए परमेश्वर की दिव्य वेदवाणी का प्रचार प्रसार करके सबका उद्धार किया और बताया कि पाखंडों तथा कुरीतियों को दूर करनें का परामर्श दिया क्योंकि वेदवाणी वैज्ञानिक है। उन्होंने कहा कि मानवता साबर बड़ा धर्म है। आर्य समाज जन्मगत जाति का विरोध करता है तथा वर्णव्यवस्था कर्मों के आधार पर ही मान्य है। समारोह के मुख्य अतिथि हरियाणा सरकार के पूर्व मीडिया सलाहकार राजीव जैन ने महर्षि स्वामी दयानन्द का गुणगान करते हुए कहा कि आर्य समाज ने समाज को अपनें कार्यों द्वारा नए दिशा निर्देश देकर प्राणिमात्र का कल्याण किया है। राष्ट्र भक्ति, हिन्दी आन्दोलन, गाय की रक्षा और कुरीतियों के निवारण हेतु कार्य किया है। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ और नारी सशक्तिकरण पर बल दिया है। महात्मा वेदमुनि वानप्रस्थी ने यज्ञमय और योगमय जीवन पर बल दिया। आर्य प्रतिनिधि सभा हरियाणा के प्रधान सेठ राधा कृष्ण आर्य ने बताया कि स्वामी दयानन्द सरस्वती ने स्वतंत्रता आन्दोलन में सक्रिय भूमिका निभाई और कहा कि स्वराज्य ही हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है।

ये किए सम्मानित

कार्यक्रम में राजीव जैन, सभा के प्रधान सेठ राधाकृष्ण आर्य, पूर्व प्रधान मास्टर राम पाल, रणदीप कादयान, पुरोहित कुलदीप, महात्मा वेदमुनि, हरिचंद स्नेही, अर्जुन देव दुरेजा, सुभाष चांदना, उमेद सिंह दहिया, अजीत सिंह आर्य, प्रवीण कुमार आर्य को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए पगड़ी पहना कर सम्मानित किया गया। समारोह सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ और अन्त में भंडारे में मीठी खीर की विशेष रूप से व्यवस्था रखी गई थी।

अयोध्या से पूजित अक्षत कलश का राई में पहुंचने पर ढोल नगाड़ों से स्वागत

- वार्ड 8 के पार्षद पुनीत राई पूजित अक्षित कलश को स्वागत यात्रा के साथ मन्दिर में लेकर गए

हरिभूमि न्यूज ⏭राई

अयोध्या में 22 जनवरी को होने वाली राम जी की प्राण प्रतिष्ठा से पूर्व अयोध्या से पूजित अक्षत कलश रविवार को राई गांव के शिव मन्दिर में पहुंचे। वार्ड 8 के पार्षद व भाजपा नेता पुनीत राई ने ढोल नगाड़ों से स्वागत के बाद पूजा अर्चना की पूजित अक्षत कलश को गांव के शिव मंदिर में दर्शन के लिए स्थापित किया गया है। निगम पार्षद एवं भाजपा नेता पुनीत राई ने कहा कि भगवान श्रीराम के 14 वर्ष बाद अयोध्या लौटने की खुशी में दिवाली मनाई जाती है, लेकिन 22 जनवरी को दूसरी दीपावली होगी, जब राम जी 500 वर्षों के बाद, भारत की स्वतंत्रता के अमृत वेला में अपने जन्म-स्थान पर लौटेंगे। इसलिए यह हिन्दू समाज इस प्राण प्रतिष्ठा समारोह में प्रत्यक्ष शामिल हो रहा है।

राई। वार्ड 8 के पार्षद व भाजपा नेता पुनीत राई पूजित अक्षत कलश को गांव के मन्दिर में स्वागत के साथ ले जाते हुए।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर सुंदर जठेड़ी, वेदपाल शास्त्री, मनोज त्यागी, राकेश कौशिक, अमरीश, राजेन्द्र, सिंघराम कौशिक, रामेश कौशिक,सतीश वाल्मीकि, सजंपाल वाल्मीकि, नरेश पांचाल, मोहित आंतिल, प्रवेश शर्मा, राजेश कौशिक, विनोद कौशिक, श्यामबीर, ललित, राजेश, राजन, विशाल कौशिक आदि मौजूद थे।

युवाओं के सिर चढ़कर बोल रही क्रिकेट की लोकप्रियता : कादियान

- हसनपुर में क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ, गन्नौर ने हरियाणा रोडवेज को 1 रन से हराया

हरिभूमि न्यूज ⏭गन्नौर

गन्नौर। समाजसेवी देवेंद्र कादियान फीता काटकर किक्रेट प्रतियोगिता का शुभारम्भ करते हुए।

ग्राम पंचायत हसनपुर की तरफ से पहली विशाल क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन गांव के खेल ग्राउंड में किया गया। जिसका उद्घाटन देवा सोशल वेलफेयर सोसायटी गन्नौर के संस्थापक एवं प्रमुख समाजसेवी देवेंद्र कादियान ने फीता काटकर किया, जिसके बाद कादियान ने टॉस उछाल कर खेल का शुभारंभ कराया। इस टूनार्मेंट में हसनपुर, हरियाणा रोडवेज, गन्नौर, सोनीपत, बेगा, कुराड़, गुमड़, कुमासपुर, मिमारपुर, खानपुर, कारद समेत 40-45 टीमें हिस्सा ले रही है।

रविवार को पहला मैच हरियाणा रोडवेज व गन्नौर के बीच खेला गया। 8-8 ओवर के मैच में गन्नौर ने 40 रन का स्कोर खड़ा किया। जबकि हरियाणा रोडवेज टीम ने 39 रन बनाए, दूसरा मैच में बेगा ने 89 रन बनाए, स्कोर का पीछा करने उतरी सोनीपत की टीम 70 रन पर आउट हो गई। इसके अलावा भी कई मैच खेले गए। प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला 31 दिसंबर को खेला जाएगा। इससे पहले आयोजकर्ता जोनी आंतिल, मोहित आंतिल व ग्रामीणों कर्मबीर सरपंच, मास्टर सुरेंद्र, जयभगवान, जयप्रकाश, सुरेंद्र, सुरजभान आदि ने समाजसेवी देवेंद्र कादियान का फूलमाला से स्वागत करने के साथ ही उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

वहीं, कादियान ने विजेता टीम को जीत की बधाई देते हुए कहा कि क्रिकेट की लोकप्रियता युवा और किशोर वर्ग के बीच सिर चढ़कर बोल रहा है। शहरों में खेला जाने वाला यह खेल अब गांव स्तर तक पहुंच गया है। उन्होंने खेलने वाली टीमों को नियमों के अनुरूप अनुशासन में रहकर खेलने की अपील की, साथ ही उन्होंने टूनार्मेंट के आयोजनकर्ताओं की प्रशंसा करते उनके प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रवीन, मोनू, संदीप, बिजेंद्र, प्रदीप, मनोज, छोटू, सुधीर, भोल्ली, सुनील, आशीष, अजित आदि मौजूद रहे।

नन्हे बच्चों ने दिखाई खेल प्रतियोगिताओं में प्रतिभा

गोहाना। गोहाना-जींद मार्ग स्थित नालंदा वर्ल्ड स्कूल में रविवार को आयोजित वार्षिक खेलोत्सव में नन्हे विद्यार्थियों ने विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा की झलक दिखाई। विद्यार्थियों ने खेल प्रतियोगिताओं के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भी अपनी कला प्रतिभा के उत्कृष्ट प्रदर्शन से दर्शकों के मन को खूब लुभाया। मुख्यातिथि अंतर्राष्ट्रीय मुक्केबाज हार्दिक पंवार रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में अशोक मलिक, प्रवीन मोर और बलराम उदेशीपुर ने शिरकत की। खेलोत्सव का शुभारंभ स्कूल की एमडी रीना मलिक और नालंदा इंटरनेशनल स्कूल के प्राचार्य प्राचार्य वीरेंद्र मलिक ने दीप पज्वलित करके किया। अध्यक्षता मेजबान स्कूल की प्राचार्या अनुपमा चौधरी ने की। खेलोत्सव में विद्यार्थियों ने स्केटिंग और दौड़ सहित अन्य खेलों में अपनी प्रतिभा दिखाई।

गोहाना। खेलोत्सव का रिबन काटकर शुभारंभ करते हुए अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाज हार्दिक पंवार। फोटो : हरिभूमि

पात्र लोगों को सौंपे आयुष्मान योजना के कार्ड

- प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के दूरदर्शी विजन के साथ देश-प्रदेश उन्नति के पथ पर अग्रसर : अरुण

हरिभूमि न्यूज ⏭गन्नौर

केन्द्र व राज्य सरकार की योजनाओं का उनके घर द्वार पर लाभ पहुंचाने के लिए विकसित भारत संकल्प यात्रा रविवार का चिरस्मीव व पट्टी ब्रह्मणान में पहंची जहां लोगों ने यात्रा का जोरदार स्वागत किया। इस दौरान आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम का शुभारंभ नगरपालिका के चेयरमैन अरुण त्यागी ने किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई स्टॉलों का अवलोकन किया। कार्यक्रम में उन्होंने उपस्थित ग्रामवासियों को हमारा संकल्प-विकसित भारत की शपथ दिलाई। इसके पश्चात उन्होंने गर्भवति महिलाओं को फल वितरित करने के साथ-साथ पात्र महिलाओं को उज्जवला योजना के तहत गैस चूल्हे और सिलेंडर व आयुष्मान कार्ड भी वितरित किए। कार्यक्रम में मेरी कहानी मेरी जुबानी के तहत लाभार्थियों ने अपने विचार सांझा करते हुए बताया कि उन्होंने किस प्रकार सरकार की योजनाओं का लाभ उठाया है। इस मौके पर गन्नौर मंडल अध्यक्ष विकास त्यागी, निशांत छोक्कर, शुगरमिल के पूर्व निदेशक रोहतास छिक्कारा, गन्नौर पंचायत समिति की उपाध्यक्ष कृष्णा देवी ,पार्षद विकास शर्मा, बीडीपीओ जितेन्द्र कुमार व दोनों गांव के सरपंचों सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे।

गन्नौर। विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान पात्र लोगों को आयुष्मान योजना के कार्ड देते अरुण त्यागी चेयरमैन ।

प्रथम शिविर में किया 73 यूनिट रक्त एकत्रित

सोनीपत। शिविर में रक्तदान करते हुए रक्तदाता। फोटो: हरिभूमि

सोनीपत। राजकीय आदर्श संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मॉडल टाउन में राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाई द्वारा विद्यालय का प्रथम रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर प्राचार्य संजीव कुमार दहिया, कार्यक्रम अधिकारी पवन सीताराम के निर्देशन में लगाया गया। इस दौरान प्राचार्य ने रक्तदान को महादान बताते हुए कहा कि दान की गई रक्त की एक बूंद किसी का अमूल्य जीवन बचा सकती है। इस अवसर पर 73 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। कार्यक्रम में रजनीश, अभिमन्यु, डा. आनंद, सतीश आदि मौजूद रहे।

ऋषिकुल वर्ल्ड एकेडमी में वार्षिकोत्सव एवं प्रदर्शनी का आयोजन

वसुधैव कुटुंबकम की थीम के साथ मनाया वार्षिकोत्सव

हरिभूमि न्यूज ⏭सोनीपत

ऋषिकुल वर्ल्ड एकेडमी में शनिवार को वार्षिकोत्सव एवं प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। जिसका मुख्य विषय था वसुधैव कुटुंबकम रहा। कार्यक्रम को तीन भागों में विभाजित किया गया। जिसमें विश्व स्तर पर प्रकृति संरक्षण और मानवता के संदेश को लेकर छात्रों द्वारा विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ. बीआर अंबेडकर नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ राई, सोनीपत की वाइस चांसलर डॉ. अर्चना मिश्रा रही। विशिष्ट अतिथि के तौर पर विद्यालय संस्थापक एसके शर्मा, प्रबंधक नीरज शर्मा, निदेशिका रीमा शर्मा, प्रधानाचार्या चंचल शर्मा, सुरेंद्र छाबड़ा, प्रवीण कुमार उपस्थित रहे। सभी अतिथियों का अभिनंदन भारतीय संस्कृति के अनुसार तिलक लगाकर व पुष्प गुच्छ देकर किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। अतिथियों ने छात्रों के साथ-साथ अध्यापकों एवं विद्यालय प्रबंधन समिति की विशेष रूप से सराहना की। एसके शर्मा ने कार्यक्रम को देखकर अपने भावों को व्यक्त करते हुए कहा कि छात्रों द्वारा वसुधैव कुटुंबकम के भाव को अपनाना उसे समझना आवश्यक है तभी इस आदर्श वाक्य का उद्देश्य सफल होगा और संपूर्ण प्राणी जगत सुख व समृद्धि का अनुभव कर विकास की गति की ओर आगे बढ़ेगा। इस विशेष अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों जैसे शिक्षण, कला, गायन, नृत्य आदि क्षेत्रों में अपना परचम लहरा चुके प्रतिभावान छात्रों को सम्मानित किया गया। इसके साथ ही स्मार्ट परीक्षा में स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को भी विशेष रूप से आमंत्रित कर पुरस्कृत किया गया।

सोनीपत। कार्यक्रम के दौरान उत्कृष्ट विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

पात्र लोगों को योजनाओं का लाभ देने के लिए सरकार सजग : मोहनलाल

- गांव मोहम्मदाबाद व बाजीदपुर सबोली में आयोजित विकसित भारत संकल्प यात्रा में जनसंवाद कार्यक्रम
- कार्यक्रम में विधायक ने ग्रामीणों को दिलाई हमारा संकल्प विकसित भारत की शपथ

हरिभूमि न्यूज ⏭राई

राई से विधायक एवं भाजपा प्रदेश महामंत्री मोहनलाल बड़ौली ने कहा कि देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रदेश में मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में आमजन तक सरकार की नीतियों का लाभ पहुंचाने के लिए विकसित भारत संकल्प यात्रा जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति योजना के लाभ से वंचित ना रहने पाए और उसे मौके पर ही लाभ प्रदान किया जा सके। रविवार को विकसित भारत यात्रा गांव मोहम्मदाबाद व बाजीदपुर सबोली पहुंची, जहां विधायक मोहनलाल बड़ौली व ग्रामीणों ने यात्रा को जारदार स्वागत किया। विधायक बड़ौली ने उपस्थित ग्रामीणों का आह्वान किया कि वे कार्यक्रम के दौरान उपलब्ध स्टालों पर योजनाओं की जानकारी अवश्य लें, साथ ही अपने परिवारजनों, पड़ोसियों और मित्रगण को सूचित करें। यह हमारी सामाजिक जिम्मेदारी भी बनती है। इस मौके पर भाजपा नेता नरेन्द्र धीमान, ब्लॉक समिति राई के चेयरमैन प्रदीप सबोली, बीडीपीओ सुरेन्द्र कुमार, एसईपीओ सुरेन्द्र कुमार सिगंला, विनोद बैरागी, अशोक भारद्वाज, नरेन्द्र धीमान, बहालगढ़ के सरपंच राकेश, गांव सबोली के सरपंच डा. सुनील कटारिया सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे।

राई। विकसित भारत संकल्प यात्रा जनसंवाद कार्यक्रम में शपथ दिलाते हुए विधायक मोहनलाल बड़ौली।

खबर संक्षेप

सोनीपत। कार्यक्रम के दौरान रक्तदाताओं का हौंसला बढ़ाते हुए भाजपा नेता राजीव जैन।

मां के दरबार में मांगने की आवश्यकता नहीं : जैन

सोनीपत। सिद्धपीठ काली माता मंदिर का वार्षिक उत्सव धूमधाम एवं श्रद्धा के साथ मनाया गया। मां की भव्य आरती के साथ कन्याओं का पूजन एवं भंडारे का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य जांच एवं रक्तदान शिविर आयोजित कर मानव सेवा का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में पहुंचकर मुख्यमंत्री के पूर्व मीडिया सलाहकार एवं भाजपा नेता राजीव जैन ने कहा कि मां के दरबार में मांगने की आवश्यकता नहीं होती बल्कि मां मनोभाव पढ़कर मनोकामनाएं पूर्ण करती है। उन्होंने रक्तदाताओं का उत्साह वर्धन किया और स्वास्थ्य जांच करने आए डॉक्टरों की टीम का आभार व्यक्त किया। सिखों के दसवें गुरु तेग बहादुर शहीदी दिवस पर सेक्टर 15 गुरुद्वारे में आयोजित कार्यक्रम में राजीव जैन को सिरोपा भेंट किया गया और गुरु तेग बहादुर की हिंदू धर्म की रक्षा के लिए किए गए बलिदान को याद किया गया।

नई शिक्षा नीति पर कार्याशाला का आयोजन

बहादुरगढ़। सूरजमल स्मारक शिक्षा समिति के ग्रामीण शिक्षा अनुसंधान और विकास प्रकोष्ठ द्वारा महाराजा सूरजमल स्कूल में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। सत्र का संचालन डॉ. टीपी सिंह, डॉ. संजय शर्मा, डॉ. प्रोमिला डबास, परविंदर सिंह ने किया। एनईपी 2020 ने अनुभवात्मक शिक्षा, योग्यता आधारित शिक्षा के एकीकरण की ओर इशारा किया है।

आर्य समाज मालवीय नगर सोनीपत का वार्षिकोत्सव समारोह सम्पन्न

आर्य समाज ने अपने कार्यों से प्राणिमात्र का कल्याण किया : जैन

■ महात्मा वेदमुनि वानप्रस्थी ने यज्ञमय और योगमय जीवन पर बल दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत। कार्यक्रम में पहुंचें अतिथियों को सम्मानित करते हुए। फोटो :हरिभूमि

आर्य समाज मालवीय नगर सोनीपत का 28 वां वार्षिकोत्सव संस्था प्रधान नारायण सिंह दहिया और आर्य प्रतिनिधि सभा हरियाणा के प्रधान सेठ राधाकृष्ण आर्य की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। डॉ. अमर सिंह के ब्रह्मत्व में यज्ञ किया गया। कार्यक्रम में मंच संचालन आर्य समाज के प्रधान ने कुशलता पूर्वक किया। यज्ञोपरांत सन्दीप शास्त्री द्वारा प्रभु भक्ति, राष्ट्र भक्ति सामाजिक, स्वामी दयानन्द सरस्वती के गीत प्रस्तुत करके श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम के प्रमुख वैदिक प्रवक्ता आचार्य शिव पूजन आर्य ने अपने उद्बोधन में कहा कि महर्षि स्वामी दयानन्द सरस्वती ने आर्य समाज की स्थापना करके मनुष्यों के लिए परमेश्वर की दिव्य वेदवाणी का प्रचार प्रसार करके सबका उद्धार किया और बताया कि पाखंडों तथा कुरीतियों को दूर करनें का परामर्श दिया क्योंकि वेदवाणी वैज्ञानिक है। उन्होंने कहा कि मानवता साबर बड़ा धर्म है। आर्य समाज जन्मगत जाति का विरोध करता है तथा वर्णव्यवस्था कर्मों के आधार पर ही मान्य है। समारोह के मुख्य अतिथि हरियाणा सरकार के पूर्व मीडिया सलाहकार राजीव जैन ने महर्षि स्वामी दयानन्द का गुणगान करते हुए कहा कि आर्य समाज ने समाज को अपनें कार्यों द्वारा नए दिशा निर्देश देकर प्राणिमात्र का कल्याण किया है। राष्ट्र भक्ति, हिन्दी आन्दोलन, गाय की रक्षा और कुरीतियों के निवारण हेतु कार्य किया है। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ और नारी सशक्तिकरण पर बल दिया है। महात्मा वेदमुनि वानप्रस्थी ने यज्ञमय और योगमय जीवन पर बल दिया। आर्य प्रतिनिधि सभा हरियाणा के प्रधान सेठ राधा कृष्ण आर्य ने बताया कि स्वामी दयानन्द सरस्वती ने स्वतंत्रता आन्दोलन में सक्रिय भूमिका निभाई और कहा कि स्वराज्य ही हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है। कार्यक्रम में राजीव जैन, सभा के प्रधान सेठ राधाकृष्ण आर्य, पूर्व प्रधान मास्टर रामपाल आर्य, रणदीप कादयान, पुरोहित कुलदीप, महात्मा वेदमुनि, हरिचंद स्नेही, अर्जुन देव दुरेजा, सुभाष चांदना, उमेद सिंह दहिया, अजीत सिंह आर्य, प्रवीण कुमार आर्य को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए पगड़ी पहना कर सम्मानित किया गया। समारोह सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ और अन्त में भंडारे में मीठी खीर की विशेष रूप से व्यवस्था रखी गई थी।

पूर्व प्रधान व प्रधान ने सांझा किया मंच

आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान सेठ राधाकृष्ण आर्य और पूर्व प्रधान मास्टर रामपाल आर्य ने इस कार्यक्रम के दौरान एक ही मंच सांझा किया, जोकि आर्य समाज की महानता का प्रतीक है। क्योंकि कुछ दिन पहले तक आर्य प्रतिनिधि सभा के चुनाव के लिये सेठ राधाकृष्ण आर्य और मास्टर रामपाल आर्य एक दूसरे के प्रतिद्वंद्वी थे। ऐसे में चुनावों के कुछ समय बाद ही दोनों का एक ही मंच सांझा करना कार्यक्रम के साथ-साथ आर्य समाज के लिये अच्छा अनुभव रहा।

गोहाना। बैठक में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए विधायक इन्दुराज नरवाल।

सात जनवरी की रैली के लिए कार्यकर्ताओं की लगाई ड्यूटी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

■ कांग्रेस की जन आक्रोश रैली गांव बरोदा में रावमावि के खेल ग्राउंड में आयोजित होगी

कांग्रेस पार्टी की जन आक्रोश रैली 7 जनवरी को गांव बरोदा स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के खेल ग्राउंड में आयोजित होगी। रैली की तैयारियों के संदर्भ में रविवार को गोहाना में नए बस स्टैंड के समीप स्थित कांग्रेस पार्टी के बरोदा विधानसभा कार्यालय पर कार्यकर्ता बैठक आयोजित हुई जिसमें कार्यकर्ताओं की ड्यूटियां लगाई गई। मुख्य वक्ता बरोदा विधानसभा क्षेत्र के विधायक इन्दुराज नरवाल ने कहा कि वर्तमान में प्रदेश में महंगाई और बेरोजगारी चरम सीमा पर है। महंगाई से गरीब आदमी को दो वक्त की रोटी जुटानी मुश्किल हो गई। आटे और दाल के भाव आसमान छू रहे हैं। गरीब व्यक्ति पूरा दिन दिहाड़ी करने के बाद मुश्किल से अपने परिवार का पेट पाल पा रहा है। विधायक ने कहा कि प्रदेश में बेरोजगारी की बाढ़ आई हुई है और अपराध भी चरम सीमा पर है। ऐसे में प्रदेश के लोगों में सत्तासीन गठबंधन सरकार के खिलाफ आक्रोश है। 7 जनवरी की रैली में नेता प्रतिपक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह , राज्यसभा सांसद दीपेंद्र व अन्य वरिष्ठ नेताओं द्वारा जनहित के मुद्दों की आवाज उठाई जाएगी। बैठक में काफी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सोनीपत। चयनित छात्रा अकांक्षा के साथ प्राचार्य एवं अन्य। फोटो :हरिभूमि

गणतंत्र दिवस परेड के लिए आकांक्षा चयनित

सोनीपत। छोटू राम आर्य महाविद्यालय की एनएसएस (राष्ट्रीय सेवा योजना) की महिला वालंटियर आकांक्षा आगामी 26 जनवरी को दिल्ली कर्तव्यपथ पर गणतंत्र दिवस परेड समारोह में भाग लेकर महाविद्यालय का नाम रोशन करेंगी। गणतंत्र दिवस परेड के लिए आकांक्षा को 1 जनवरी से लेकर गणतंत्र दिवस तक परेड ट्रेनिंग कैंप दिल्ली में ट्रेनिंग लेनी होगी। सीआरए महाविद्यालय की वालंटियर आकांक्षा को संपूर्ण महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक की तरफ से गणतंत्र दिवस परेड के लिए चयनित किया गया है। महाविद्यालय की इस उपलब्धि पर खुशी जाहिर करते हुए टीकाराम एजुकेशन सोसाइटी के प्रधान माननीय सुरेंद्र सिंह दहिया ने महाविद्यालय को सर्वांगीण विकास संबंधी बधाई संदेश भेजा। प्राचार्य डॉ. नरेंद्र सिंह व एनएसएस प्रोगाम ऑफिसर डॉ. ऊषा दहिया व डॉ. अभिमन्यु ने आकांक्षा को इस उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई व उज्जवल भविष्य की कामना का आशीर्वाद दिया। इस मौके पर एनएसएस के कार्य कर्मचारी जयदेव मलिक व मुकेश दहिया उपस्थित रहे।

इंटरनेट का नशा शराब से भी ज्यादा खतरनाक : शैलजा

■ कांग्रेस नेत्री गोहाना में आर्य समाज के महासम्मेलन में पहुंचीं बतौर मुख्य अतिथि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

गोहाना। आर्य महासम्मेलन के प्रतिनिधि शैलजा को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

कांग्रेस की पूर्व प्रदेश अध्यक्ष शैलजा ने नशा केवल शराब का नहीं रहा। इंटरनेट का नशा शराब के नशे से भी ज्यादा खतरनाक है। गेमिंग और गैंबलिंग से नई पीढ़ी बर्बाद हो रही है। उन्होंने कहा कि नशा अपना स्वरूप बदल चुका है। शराब के साथ जब ड्रग की भी लत लग जाए, घर के घर उजड़ जाते हैं। शैलजा शहर में नशा मुक्ति अभियान में आर्य समाज द्वारा आयोजित प्रदेश स्तर के आर्य महासम्मेलन को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रही थीं। इस महासम्मेलन का संयोजन स्वामी नित्यानंद ने किया जिसमें आर्य समाज की नामी-गिरामी हस्तियां पहुंचीं। कांग्रेस नेत्री ने दो टूक कहा कि सरकार से नशाबंदी को ले कर किसी सहयोग की उम्मीद न रखें। उन्होंने याद दिलाया कि कोरोना काल में सब कुछ बंद था, तब भी ठेके खुले थे। सरकार कुछ पैसे कमाने के लिए शराब की आलीशान दुकानें खोल रही है। लेकिन इससे कितने घर बर्बाद हो रहे हैं, यह हमारी बहनें ही बता सकती हैं।

शैलजा ने कहा कि कोई भी बदलाव आसान नहीं होता। लेकिन आर्य समाज ने बीड़ा उठाया और इसे कर दिखाया। सोनीपत में आर्य समाज की जड़ें बड़ी गहरी हैं। इस अवसर पर स्वामी मुक्तिवेश, कालवा गुरुकुल के आचार्य राजेंद्र सिंह, पूर्व मंत्री कृष्ण मूर्ति हुड्डा, प्रदीप जैलदार, एडवोकेट मनोज गोहाना, कर्मवीर सरोहा, धर्मपाल भनवाला आदि भी उपस्थित रहे।

बीमार बेटी के पास आए पिता ने दामाद पर लगाया अभद्रता करने का आरोप

सोनीपत। सेक्टर-27 शहर सोनीपत थाना क्षेत्र के जीवन विहार एक्सटेंशन बीमार बेटी के पास उसका सहयोग करने आए पिता से अभद्रता करने व घायल करने के आरोप का मामला सामने आया है। पीड़ित ने मामले को लेकर पुलिस को अवगत करवाया। पुलिस ने इस संबंध में मुकदमा दर्ज कर लिया है। आरोपित वारदात के बाद से फरार है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। गांव मेंहदीपुर वासी रणधीर ने बताया कि उसने अपनी बेटी की शादी वर्ष 2014 में अमित निवासी चिडाना हाल में जीवन नगर का है। पीड़ित ने बताया कि उसका दामाद अक्सर शराब पीता रहता है। हालत में उसकी बेटी की तबीयत ठीक नहीं है। वह लकवे की बीमारी से ग्रस्त है। दो महीनों से वह अपनी बेटी के साथ रहकर उसकी देखभाल करता है। उसका दामाद हर रोज गाली-गलौच करता रहता है। गत 15 दिसंबर को वह घर का सामान लेकर जा रहा था। अमित ने कहा कि वह अपनी लड़की की ज्यादा पक्ष लेता है। उसने उसके कान पर चुडका भर दिया। उसके कान से खून बहने लगा। विरोध करने पर उसके साथ अभद्रता करने लगा। उसके बाद वह उपचार के लिए अस्पताल में पहुंचा। उसे प्राथमिक उपचार के बाद रोहतक पीजीआई रेफर कर दिया। उसके बाद वह उपचार के लिए निजि अस्पताल में पहुंचा। जहां अपना उपचार करवाया। मामले को लेकर पुलिस को अवगत करवाया। पुलिस ने इस संबंध में आरोपित के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। जांच अधिकारी एसआई कुलदीप सिंह ने बताया कि वारदता के बाद से आरोपित फरार है। मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। जल्द से जल्द आरोपित को काबू कर आगामी कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

■ पीड़ित के बयान पर पुलिस ने आरोपित के खिलाफ किया मुकदमा दर्ज

गुरु तेग की बहादुरी की वजह से मिला था हिंद दी चादर नाम : तरुण

सोनीपत। सेक्टर 15 स्थित श्री गुरु तेग बहादुर साहिब गुरुद्वारा द्वारा सिखों के 9वें गुरु तेग बहादुर की शहीदी दिवस के अवसर पर शहीदी समागम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भाजपा नेता तरुण देवीदास ने शिरकत कर शहीद गुरु तेग बहादुर को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होने कहा गुरू तेग बहादुर का जीवन साहस और करुणा का प्रतीक है। उन्होने बताया कि गुरु तेग बहादुर बचपन से निर्भीक स्वभाव के थे। गुरू तेग बहादुर ने अपना जीवन धर्म और मानवता की रक्षा करते-करते न्यौछावर कर दिया। हिंदुस्तान के प्रति उनके प्रेम और बहादुरी की वजह से उन्हें हिंद दी चादर भी कहा जाता है।

सोनीपत। कार्यक्रम के दौरान मौजूद भाजपा नेता तरुण देवीदास एवं अन्य। फोटो :हरिभूमि

इस अवसर पर सरदार मोहन सिंह मनोचा, जसवीर सिंह, हंस राज हंस, शमशेर सिंह, रविंद्र सिंह, चरणजीत सिंह, रघुवीर सिंह आदि मौजूद रहे।

सोनीपत। जनसंपर्क अभियान के तहत पहुंचें संजय बड़वासनिया का स्वागत करते हुए ग्रामीण। फोटो :हरिभूमि

प्रदेश में बढ़ रही है बेरोजगारी व भ्रष्टाचार

सोनीपत। तिहाड़ कला गांव में जिला पार्षद संजय बड़वासनिया ने रविवार को जनसंपर्क अभियान चलाया। अभियान के तहत ग्रामीणों को संबोधित करते हुए संजय ने कहा कि आज प्रदेश में बेरोजगारी भ्रष्टाचार गुंडागर्दी में प्रदेश प्रथम स्थान पर है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की जन विरोधी नीतियों के कारण प्रदेश का प्रत्येक वर्ग किसान, मजदूर, व्यापारी और आम जनता में खट्टर सरकार के खिलाफ लगातार विरोध बढ़ रहा है। खट्टर सरकार पूरी तरीके से हर मोर्चे पर विफल साबित हुई है। इस अवसर पर गांव के पूर्व सरपंच प्रदीप तिहाड़ कलां, गांव के सरपंच पवन पांचाल, विक्की, संदीप शर्मा और नरेंद्र, गुलाब, संदीप, प्रदीप, जोगेंद्र आदि उपस्थित रहे।

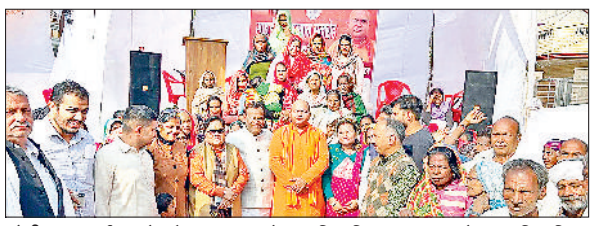

सोनीपत। कार्यक्रम के दौरान भाजपा नेता अमित बिंदल एवं साथ में सम्मानित किए गए सफाई कर्मी। फोटो :हरिभूमि

देश को स्वच्छ रखते हैं सफाई कर्मी हमें करना चाहिये सम्मान : बिंदल

सोनीपत। भाजपा नेता अमित बिंदल ने कहा कि हमारे देश को स्वच्छ रखने में सफाई कर्मियों का अहम योगदान है। हमें भी सफाई कर्मियों का आदर व सम्मान करना चाहिये। अमित बिंदल द्वारा रविवार को सेक्टर 14 स्थित अपने कार्यालय में सफाई मित्र सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इसी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अमित बिंदल ने कहा कि हमें आपसी भेदभाव को मिटाना चाहिये, इसके लिये हर संभव प्रयास भी करना चाहिये। क्योंकि आज वो समय नहीं है, जिसमें हम जात-पात को लेकर बात करें। उन्होंने कोरोना काल में सफाई कर्मियों की निस्वार्थ भावना से की गई सफाई और जान का जोखिम लेकर काम करने के जज्बे को सराहा। इस दौरान उपस्थित सभी लोगों ने देश-प्रदेश को स्वच्छ रखने और भेदभाव को दूर भगाने का संकल्प लिया।

एमपीएचई एसोसिएशन का चुनाव करवाने के लिए कमेटी का गठन

सोनीपत। सर्व कर्मचारी संघ गोहाना रोड सोनीपत पर सुनीता राणा की अध्यक्षता में एमपीएचई एसोसिएशन सोनीपत की मिटिगं की गई। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में रानी गहलावत एमपीएचई एसोसिएशन हरियाणा की राज्य प्रधान ने शिरकत की। मीटिंग में सुनीता राणा ने जिले की एसोसिएशन इकाई द्वारा की जा रही असंवैधानिक गतिविधियों के बारे में अवगत कराया। जिसमें अनियमिता एवं व्यवधान के निराकरण के लिए एक कमेटी का गठन किया गया। इस कमेटी का मुख्य कार्य चुनाव करवाना एवं वर्तमान परिस्थितियों में उचित निर्णय लेना है। इस कमेटी के सदस्य सुनीता राणा, राजकुमार, संदीप शर्मा, महेश राठी एवं अभिमन्यु है। पांच सदस्यों की कमेटी ने अपनी प्रथम मिटिगं की। मिटिंग सर्व कर्मचारी संघ कार्यालय में हुई कमेटी ने मिटिगं में जिला कार्यकारिणी का अक्तूबर 2023 में कार्यकाल पूरा होने के कारण महेश राठी को कार्यवाहक अध्यक्ष बनाया। वर्तमान प्रधान अध्यक्ष को पद से निष्कासित किया गया। वहीं जनवरी 2024 तक जिला कार्यकारिणी का चुनाव करवाने का निर्णय लिया। इस मिटिंग में शामिल सदस्य सुखबीर दहिया, राजबीर, सोनिया, बबली, विकास दहिया, रामकुमार, जय प्रकाश दहिया, रामअवतार, गजराज, मनोज लाठ, सत्येन्द्र मलिक, सत्येन्द्र दहिया, आदि साथी मौजूद रहे।

सोनीपत। बैठक के बाद मौजूद पदाधिकारी। फोटो :हरिभूमि

भठगांव की 70 बेटियों ने डाउनलोड किया दुर्गा शक्ति ऐप

■ भठगांव डूंगरान व भठगांव माल्यान में हुआ विकसित भारत संकल्प यात्रा जनसंवाद का आयोजन

सोनीपत। विकसित भारत संकल्प यात्रा जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान पूर्व मंत्री कविता जैन व उपायुक्त डा. मनोज कुमार के आह्वान पर सुरक्षा की दृष्टि से भठगांव की 70 से अधिक बेटियों ने मौके पर ही दुर्गा शक्ति ऐप डाउनलोड किया। साथ ही बेटियों को व ग्रामीणों को डायल-112 की भी विस्तृत जानकारी देते हुए आपात स्थिति में पुलिस सहायता लेने के लिए प्रोत्साहित किया। विकसित भारत संकल्प यात्रा जनसंवाद की कड़ी में रविवार को भठगांव डूंगरान व भठगांव माल्यान में कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया गया, जिसका शुभारंभ पूर्व मंत्री कविता जैन ने किया। जबकि अध्यक्षता उपायुक्त डा. मनोज कुमार ने की। उन्होंने कार्यक्रम में लगाई गई विभागीय स्टॉलों का निरीक्षण करते हुए अधिकारियों-कर्मचारियों को निर्देश दिए कि वे योजनाओं का अधिकाधिक लाभ ग्रामीणों को प्रदान करें। साथ ही उन्होंने ग्रामीणों व विद्यार्थियों को 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की शपथ भी दिलाई। इस मौके पर भठगांव डूंगरान की सरपंच प्रियंका व भठगांव माल्यान की सरपंच सविता ने पूर्व मंत्री व उपायुक्त का स्वागत करते हुए उन्हें मांगपत्र भी सौंपा।

सोनीपत। कार्यक्रम के दौरान पात्र परिवार को गैस सौंपते हुए मंत्री साथ में उपायुक्त एवं अन्य। फोटो :हरिभूमि

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो वह निम्न टेलीफोन नम्बरों पर कार्यालय समय पर सूचित करें :-
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 0130-2989288, 8295154800, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नही हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन 0130-4012310, 9253681028

खाटू श्याम मंदिर आहुलाना धाम में साप्ताहिक भजन व कीर्तन का आयोजन

खाटू श्याम की शरण में आने से समाप्त हो जाते हैं दुख

■ भजन व कीर्तन का आयोजन कर श्रद्धालुओं में मांगी मन्नत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

गन्नौर। खाटू मंदिर आहुलाना धाम में गोपाल स्वामी महाराज के नेतृत्व में भजन कीर्तन में झूमते श्रद्धालु। फोटो :हरिभूमि

रविवार को आहुलाना धाम बाबा खाटू श्याम मंदिर में श्याम भक्त एवं गोशाला संचालक गोपाल स्वामी महाराज के नेतृत्व में भक्तों ने पूजा अर्चना व कीर्तन कर सुख समृद्धि की कामना की। बाबा श्याम मंदिर के पुजारी सचिन पंडित ने सभी श्रद्धालुओं को मोरछड़ी से झाड़ा लगाकर भक्तों की मनोकामना पूर्ण करने की बाबा श्याम से अरदास की। गोपाल स्वामी ने श्याम भक्तों को बाबा कि महिमा बताते हुए कि बाबा के दरबार मे अच्छी किस्मत वाला व्यक्ति ही पहुंच पाता। उन्होंने कहा कि जो उसकी शरण मे जाकर उसकी कथा को सुनता उसको सभी संकटों व कष्टों से मुक्ति मिलती है। गोपाल स्वामी महाराज ने बताया कि खाटू श्याम जी को लखदातार भी कहा जाता है। क्योंकि बाबा लाखों भक्तों की मनोकामनाओं को पूर्ण करते हैं। बाबा के दर पर जिस भक्त ने एक बार शीश नवा दिया तो बाबा उस भक्त की रक्षा करते हैं। यह चमत्कार है कि जो भी बाबा के दर पूरी दुनिया से हारकर आता है उसे बाबा सहारा देते हैं। बाबा हारे हुए को सहारा देकर उसकी हार को जीत में बदल देते हैं। इस लिए बाबा श्याम को कई नामों से भक्त पुकारते हैं। खाटू श्याम मंदिर के पास ही श्याम कुंड स्थित है। खाटू श्याम जी का शीश जहां से अवतरित हुआ था उस स्थान को श्याम कुंड के नाम से जाना जाता है। इस कुंड के लिए भक्तों में मान्यता है कि जो कोई भक्त सच्चे मन से इसमें श्रद्धा की डुबकी लगाता है तो उसका कल्याण हो जाता है। मंदिर के दर्शन के साथ ही श्याम कुंड में स्नान करने का विशेष महत्व है। बाबा श्याम के भक्त अपना शीश झुकाने और दर्शन करने के लिए यहां आते हैं। यहां एकादशी की पूरी रात भजनों की रसधार बहती है। इस अवसर भारी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

संदिग्ध हालत में घर के अंदर घुसा युवक

सोनीपत। बहालगढ़ थाना क्षेत्र के गांव में संदिग्ध हालत में युवक घर के अंदर घुस गया। युवती ने मामले को लेकर परिजनों को अवगत करवाया। उसके बाद पुलिस को शिकायत दी। पुलिस ने इस संबंध में आरोपित के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। एक युवती ने बताया कि गत 16 दिसंबर को अपने घर पर मौजूद थी। उसी दौरान गांव का युवक सोनू उसके घर में घुस आया। उसके बाद फरार हो गया। मामले को लेकर परिजनों को अवगत करवाया। उसके बाद पुलिस को शिकायत दी। जांच अधिकारी एचसी विकास कुमार ने बताया कि आरोपित के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। जल्द से जल्द आरोपित के खिलाफ आगामी कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।